● वर्ष : 17 ● अंक : 153 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक
लोकतंत्र की शान
लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 24 मार्च 2026

पश्चिम एशिया संकट को पीएम ने चिंताजनक बताया, राष्ट्रीय एकजुटता का किया आह्वान

एजेंसी। नई दिल्ली

यह केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक संकट, तेल-गैस आपूर्ति, अर्थव्यवस्था और भारतीयों की सुरक्षा पर सरकार सतर्क, वैकल्पिक स्रोतों पर भी तेज प्रयास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह संकट भारत के लिए आर्थिक, सुरक्षा और मानवीय स्तर पर गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है। उन्होंने संसद और देश से इस मुद्दे पर एकजुट होकर प्रतिक्रिया देने का आह्वान किया, ताकि वैश्विक मंच पर भारत की स्पष्ट और मजबूत आवाज पहुंच सके। प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया सैन्य संघर्ष और इसकी वजह से भारत के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकार इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विदेश मंत्री तथा पेट्रोलियम मंत्री द्वारा संसद को समय-समय पर जानकारी दी जा चुकी है। मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां से देश की बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति होती है, वहीं यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार मार्गों के लिहाज से भी अहम है। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि समुद्री जहाजों में भी बड़ी संख्या में भारतीय क्रू सदस्य कार्यरत हैं। ऐसे में इस संकट का भारत पर प्रभाव स्वाभाविक रूप से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से करीब 1000 भारतीयों को निकाला गया है, जिनमें 700 से अधिक मेडिकल छात्र शामिल हैं। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन 24 घंटे काम कर रहे हैं और प्रभावित नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते खतरे के बावजूद सरकार पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि भारत ने ऊर्जा आयात के स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक विविधीकृत किया है। साथ ही देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने एलपीजी की घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी है और उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा इथेनॉल ब्लेंडिंग, रेलवे विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदमों से तेल पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है। भारत अब पेट्रोल में लगभग 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य के करीब पहुंच चुका है। कृषि क्षेत्र पर संभावित प्रभाव का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि देश में पर्याप्त खाद्यान्न भंडार मौजूद है और किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार ने उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाया है और आयात के स्रोतों को भी विविध बनाया है। साथ ही नैनो यूरिया और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऊर्जा और बिजली की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के पावर प्लांट्स में पर्याप्त कोयला भंडार है और सरकार हर स्तर पर निगरानी कर रही है। भारत ने लगातार दूसरे वर्ष 100 करोड़ टन कोयला उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 250 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा का बड़ा योगदान है। कूटनीतिक प्रयासों पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि भारत शुरू से ही शांति और संवाद का पक्षधर रहा है। मोदी ने कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया के ज्यादातर देश के राष्ट्र अध्यक्षों के साथ दो राउंड फोन पर बातचीत कर तनाव कम करने और संघर्ष समाप्त करने का आग्रह किया है। भारत ने नागरिक और वाणिज्यिक ढांचे पर हमलों का विरोध किया है और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर बल दिया है।

ईरान ने कहा- धमकियों के बजाय सम्मान और संवाद का रास्ता ही वैश्विक शांति के लिए बेहतर

तेहरान। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य संघर्ष अब एक ऐसे खतरनाक मुकाम पर पहुंच गया है, जहां मिसाइलों के साथ-साथ तेल, पानी और पैसा भी युद्ध के बड़े हथियारों के रूप में उभर रहे हैं। ईरान ने अमेरिका को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि उसके पावर प्लांट या अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया गया, तो वह दुनिया की सबसे अहम तेल लाइफलाइन हॉर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर देगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने उन्होंने अमेरिका को सुझाव दिया कि धमकियों के बजाय सम्मान और संवाद का रास्ता अपनाना ही वैश्विक शांति के लिए बेहतर होगा। दूसरी ओर, अमेरिका भी इस मोर्चे पर पीछे हटते नहीं दिख रहा है। वर्तमान में यह मार्ग तकनीकी रूप से खुला है, लेकिन युद्ध की आशंकाओं के कारण यहां से गुजरने वाली वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा पहले ही प्रभावित हो चुका है।

अब युद्ध का असर सीधे भारतीय किसानों पर, 30 फीसदी महंगे हो जाएंगे कीटनाशक

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर अब सीधे भारतीय किसानों पर पड़ रहा है। एग्रोकेमिकल इंडस्ट्री के मुताबिक आने वाले दिनों में कीटनाशकों की कीमतों में 25 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में होने जा रही है जब खरीफ सीजन शुरू होने वाला है और किसानों को कीटनाशकों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इससे खेती की लागत में सीधा इजाफा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक एग्रोकेमिकल कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण नए प्रोडक्ट अब महंगे दामों पर मिलेंगे। एक बड़ी कंपनी के अधिकारी के हवाले से बताया कि अप्रैल से कीमतों में बढ़ोतरी दिखनी शुरू हो जाएगी। साथ ही घरेलू बाजार में उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है और निर्यात पर भी असर पड़ने की आशंका है। युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिसका सीधा असर पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर पड़ा है। पेट्रोकेमिकल्स के दाम 25–30फीसदी तक बढ़े हैं। पैकेजिंग लागत भी 15–30फीसदी बढ़ी है। सल्फर और पेट्रोकेमिकल्स कीटनाशक बनाने में प्रमुख कच्चा माल हैं, इसलिए कंपनियों के लिए लागत बढ़ना तय है। कीटनाशकों में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश केमिकल्स चीन से आते हैं, लेकिन चीन ने कीमतें बढ़ा दी हैं और निर्यात में भी कटौती कर दी है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ गया है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक चीन में चल रही अंतरराष्ट्रीय बैठक के बाद स्थिति और साफ हो सकती है। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 93 के पार पहुंच चुका है, जिससे आयात और महंगा हो गया है। इसके अलावा शिपिंग चार्ज बढ़ गए हैं। इंश्योरेंस प्रीमियम भी महंगे हो गए हैं। इन सभी कारणों से कंपनियों के पास कीमत बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

चीन ने बढ़ाई कीमतें और निर्यात में भी की कटौती, ग्लोबल सप्लाई चेन पर बढ़ा दबाव

संक्षिप्त समाचार

ओम बिरला ने श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, सहयोग और संबंधों पर दिया जोर

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्रीलंका की संसद की मूलभूत ढांचा और सामरिक मुद्दों पर निगरानी समिति के अध्यक्ष एसएम मारिक्कर के नेतृत्व में आए संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर संसदीय सहयोग, द्विपक्षीय संबंधों और मूलभूत ढांचा क्षेत्र में साझेदारी को विस्तार देने पर जोर दिया। संसद भवन में मुलाकात के दौरान ओम बिरला ने कहा कि भारत और श्रीलंका के रिश्ते केवल पड़ोसी देशों के नहीं हैं, बल्कि साझा संस्कृति और विरासत से जुड़े आत्मीय संबंध हैं। भारतीय संसद का बजट सत्र देश के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा का अवसर देता है, जहां सरकार के खर्च और नीतियों की गहन समीक्षा कर भविष्य की दिशा तय की जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय समितियों को 'मिनी संसद' बताते हुए कहा कि इन समितियों में मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर ठोस और प्रभावी निर्णय तैयार किए जाते हैं। उन्होंने भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री समूह को द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा देने वाला कदम बताया और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बिरला ने कहा कि यह संवाद दोनों देशों के संसदीय संबंधों को नई ऊंचाई देगा और साझा प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस आज पश्चिम एशिया से 30 उड़ानें करेंगी संचालित

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस सोमवार को पश्चिम एशिया मुख्यतः सऊदी अरब तथा यूएई से आने-जाने वाली कुल 30 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। एयरलाइन ने एक्स पर बयान में यह जानकारी दी है, जिसमें यात्रियों को री-बुकिंग और रिफंड के विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी ने कहा है कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर 23 मार्च को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली 30 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। कंपनी ने कहा कि दोनों एयरलाइंस जेद्दाह रूट पर अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखेंगी। भारत और जेद्दाह के बीच कुल 10 उड़ानें संचालित होंगी, जिनमें एयर इंडिया दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी उड़ान संचालित करेगी। वहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस बेंगलुरु, कोझिकोड और मैंगलोर से एक-एक उड़ान संचालित करेगी। इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट से चार निर्धारित उड़ानें (दिल्ली और मुंबई सहित) और बेंगलुरु-कोझिकोड से रियाद के लिए चार उड़ानें चलाएगी। एयरलाइन के मुताबिक निर्धारित सेवाओं के अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब से कुल 12 गैर-निर्धारित (एक्स्ट्रा) उड़ानें संचालित की जाएंगी। ये सभी उड़ानें प्रस्थान स्टेशनों पर स्लॉट उपलब्धता और अन्य परिस्थितियों पर निर्भर रहेंगी।

लोकसभा में पेश कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 जेपीसी को भेजा गया

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को पेश किया गया कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आग्रह पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीते 10 मार्च को उक्त विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करते समय लोकसभा को बताया कि इस विधेयक का उद्देश्य लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है। भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है। इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने नियम 72 (1) के तहत विधेयक को पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संवैधानिक सिद्धातों के अनुरूप नहीं है और इसमें बहुत सारी खामियां हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय ने आरोप लगाया कि इस विधेयक से सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि सरकार कॉर्पोरेट अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना चाहती है या फिर नियमों को सख्त बनाना चाहती है। द्रमुक की सदस्य टी सुमति ने भी विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। सीतारमण ने विपक्षी सांसदों की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि यह विधेयक दो साल के विचार-विमर्श के बाद यहां लाया गया है तथा कॉर्पोरेट विधि समिति में सभी पक्षों को सुना गया है।

टीवी सेटों में सूक्ष्म सेट टॉप बॉक्स लगा हुआ मिलेगा, 450 चैनल मुफ्त देख सकेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने आज ऐसी तीन पहलों की शुरूआत की जिनके तहत देश में बनने वाले सभी टेलीविजन सेटों में अनिवार्य रूप से सेट टॉप बॉक्स लगा हुआ आएगा जिससे चार सौ से अधिक टीवी चैनल निःशुल्क देखे जा सकेंगे। राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कौशल पहल के तहत कंटेट निर्माण करने वालों को 15 हजार लैब्स के माध्यम से कंटेट रचनात्मक ऑडियो विजुअल कंटेंट के निर्माण में एआई के प्रयोग का प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ प्रदर्शन के लिए डिजीटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां रेल भवन में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में माईवेब्स डिजिटल प्लेटफॉर्म, टीवी ट्यूनर एवं एडवांस ईपीजी तथा नेशनल एआई स्किलिंग इनीशिएटिव कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। इस मौके पर सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी, यूट्यूब इंडिया एवं गूगल इंडिया के अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ये तीनों पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को बल प्रदान करतीं हैं जिसमें वह तकनीक एवं तकनीकी मंच के लोकतंत्रीकरण को आवश्यक बताते हैं। प्रधानमंत्री की सोच है कि सभी घरों में निःशुल्क उच्च गुणवत्ता वाला कंटेंट पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब टेलीविजन पर विभिन्न चैनलों को देखने के लिए सेट टॉप बॉक्स लगाने की कोई जरूरत नहीं होगी। देश के सभी टेलीविज़न सेट विनिर्माताओं ने सैकड़ों टीवी सेट बाजार में उतार दिये हैं जिनमें सेट टॉप बॉक्स की जगह एक बहुत छोटा का टीवी ट्यूनर कार्ड लगा है और उससे करीब साढ़े चार सौ चैनल निःशुल्क देखे जा सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि इसी प्रकार से माईवेब्स डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत में ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने की पहल को बल मिलेगा। भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के सहयोग से देश में 15000 लैब खोली जाएंगी जिनमें उद्योग, विद्यार्थी और आईआईसीटी, तीनों को एकसाथ लाकर गुणवत्तापूर्ण कंटेट क्रियेशन को बढ़ावा देने एवं उन्हें डिजिटल बाज़ार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता, दिल्ली विधानसभा में लाया गया अभिनंदन प्रस्ताव

नई दिल्ली। गुजरात के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरा करने पर दिल्ली विधानसभा में सोमवार को अभिनंदन प्रस्ताव लाया गया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को संबोधित करते हुए देश के सर्वाधिक सेवाकालीन सरकार प्रमुख नरेंद्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर 8,931 दिन सरकार के प्रमुख के रूप में सेवा पूर्ण कर सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों का रिकॉर्ड तोड़ा है। यह केवल एक संख्या नहीं है- यह 25 वर्षों की अखंड जनसेवा का प्रमाण है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ से लेकर 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बनने तक — मोदी जी की यात्रा एकनिष्ठ समर्पण की यात्रा रही है। वे पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लोकसभा में पूर्ण बहुमत से लगातार दो कार्यकाल पूरे किए और तीसरी बार भी सत्ता में लौटे। उनके नेतृत्व में भारत में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले और देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना।

टीएमसी चुनाव कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को बना रही आधार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने के लिए खास तैयारी की है। जहां बीजेपी की केंद्रीय टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कैंपेन में जुटी है वहीं टीएमसी ने इसे स्थानीय स्तर पर हैंडल करने की योजना पर काम कर रही है। टीएमसी ने जमीन पर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक अपनी पहुंच भी बढ़ाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी ने टीम का कहना है कि वह अपने कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को आधार बना रहे हैं। यूं कहें कि टीएमसी अपने डिजिटल कैंपेन में बांग्ला अस्मिता को उभार देती दिख रही है। टीएमसी मैसेज दे रही है कि अगर बीजेपी सत्ता में आ गई तो बांग्ला विरोधी एजेंडा चलाएंगे। इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए टीएमसी वाट्सऐप ग्रुप का सहारा ले रही है। इस नेटवर्क में पूरे पश्चिम बंगाल में 1.5 लाख से ज़्यादा ग्रुप और एक करोड़ से ज़्यादा लोग जोड़े गए हैं। इन ग्रुप्स में चुनावी सामग्री को तेजी से और बेहद व्यवस्थित तरीके से फैलाया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि दी

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने सोमवार को शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उप राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, "भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर मैं स्वतंत्रता संग्राम के इन अमर नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। राष्ट्र के प्रति उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान देशभक्ति और निःस्वार्थ सेवा के सर्वोच्च आदर्शों का प्रतीक हैं। उनकी विरासत पीढ़ियों को न्याय, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को कायम रखने के लिए प्रेरित करती रहेगी। आज के दिन, आइए हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करें। ओम बिरला ने कहा कि उनका जज्बा और आदर्श आज भी हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रसेवा की प्रेरणा जगाते हैं। मातृभूमि के प्रति यह समर्पण सदैव हमारे लिए प्रेरक रहेगा। अमित शाह ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अपने विचार और व्यवहार दोनों से मातृभूमि की आजादी के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इन वीरों के पराक्रम की गूंज ने पूरी अंग्रेजी हुकूमत को भयभीत कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "हम भारत माता के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को नमन करते हैं। राष्ट्र के लिए उनकी शहादत हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित है। कम उम्र में ही उन्होंने असाधारण साहस और भारत की स्वतंत्रता के लिए अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। औपनिवेशिक शासन की शक्ति से विचलित हुए बिना उन्होंने दृढ़ विश्वास के साथ बलिदान का मार्ग चुना और राष्ट्र को अपने जीवन से ऊपर रखा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया।

ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला करके, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है।

वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह ख़ामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट बिल्डिंग पर अशोक स्तंभ स्थापित करने की मांग, चीफ जस्टिस बोले- विचार करेंगे

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर करके मांग की गई है कि कोर्ट की बिल्डिंग के मुख्य गुंबद पर भारत का राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ लगाया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि इस मांग पर प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जाएगा। यह याचिका बनारस के 'बाबा खतरनाक' ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की नई बिल्डिंग में इस बात का ख्याल रखा जाएगा कि राष्ट्रीय चिह्न लगाया जाए। तब बाबा खतरनाक ने कहा कि इस बिल्डिंग का क्या। तब मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आप इसके लिए हमें पत्र लिख सकते हैं, हम प्रशासनिक स्तर पर विचार करेंगे, कोर्ट में याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय के सेकेट्री जनरल को निर्देश दिया कि इस मामले को संबंधित अधिकारी के सामने रखें।

केजरीवाल ने शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शहीद दिवस पर देश के महान क्रांतिकारियों- भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन वीर सपूतों का बलिदान, देशभक्ति और साहस सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इन महान क्रांतिकारियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1931 में ब्रिटिश हुकूमत ने भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को फांसी दी थी। इन तीनों क्रांतिकारियों ने भारत की आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

गुरुग्राम में बच्ची से दुष्कर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट का हरियाणा सरकार और डीजीपी को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम में चार साल की नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हरियाणा सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर और मामले के जांच अधिकारी को 25 मार्च को कोर्ट में सभी रिकॉर्ड के साथ पेश होने का आदेश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम के जिला जज को निर्देश दिया कि वो संबंधित मजिस्ट्रेट से पूछे कि इतने संवेदनशील मामले की जांच में इतना लचर रवैया क्यों अपनाया गया। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने 20 मार्च को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए कहा था कि ये काफी डरावना मामला है। नाबालिग को मजिस्ट्रेट के सामने भेजा गया। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। घटनास्थल को भी संरक्षित नहीं किया गया है। सीसीटीवी फुटेज भी नहीं लिए गए हैं। लड़की ने सबकुछ बताया है, लेकिन हुआ कुछ नहीं। गुरुग्राम पुलिस ने कुछ नहीं किया। इसमें घरेलू सहायिका लिप्त है। तब मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि आप उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। उच्च न्यायालय काफी काम कर रही है। तब रोहगती ने कहा कि उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में है। लड़की के पिता गुरुग्राम में हैं। सबसे बड़ी अदालत से मैसेज जाना चाहिए। तब मुख्य न्यायाधीश ने 23 मार्च को सुनवाई करने का आदेश दिया था।

पश्चिम एशिया संकट पर सरकार के रुख से देश को नुकसानः कांग्रेस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम एशिया संकट पर सरकार के रुख को कमजोर और अस्थिर बताते हुए कहा कि इससे देश को नुकसान हो रहा है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज संसद में पश्चिम एशिया के मुद्दे पर अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन यदि सरकार की विदेश नीति मजबूत होती तो भारत को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी यह नहीं कहती कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा हो, बल्कि सरकार को नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का पालन करते हुए स्पष्ट और संतुलित रुख अपनाना चाहिए। खेड़ा ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस संकट में स्पष्ट रुख नहीं अपनाया। यदि नियम आधारित व्यवस्था का पालन किया जाता तो भारत खुलकर कह सकता था कि यह युद्ध गैरकानूनी है, लेकिन प्रधानमंत्री ने ऐसा करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि सुनने में आ रहा है कि सरकार 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर में 10 किलोग्राम ही गैस देने पर विचार कर रही है। यदि ऐसा है तो देश में बड़ा ही संकट है। सरकार को इसपर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के इजरायल दौरे के कुछ समय बाद ही इजरायल और अमेरिका ने भारत के एक पुराने मित्र देश पर हमला किया, जबकि प्रधानमंत्री उन देशों के साथ नजदीकी दिखाते रहे। इसके अलावा खेड़ा ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार बांग्लादेश को तेल दे रही है, वहीं दूसरी ओर चुनावी राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने सरकार से इस पर स्पष्ट नीति बताने की मांग की।

बिहार स्थापना दिवस पर दिल्ली सचिवालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बिहार स्थापना दिवस को लेकर दिल्ली सचिवालय में सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सरकार की ओर से ज्ञान, संस्कृति, धर्म और क्रांति की भूमि बिहार के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। बिहार राज्य का गठन 22 मार्च 1912 में हुआ था। कार्यक्रम का आयोजन कला, संस्कृति एवं भाषा की ओर से साहित्य कला परिषद ने किया। इसमें बिहार का पारंपरिक झिझिया नृत्य का प्रदर्शन कलाकारों ने किया।

हत्या के प्रयास के मामले में पीपी एलएनजेपी, थाना आईपी एस्टेट, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की टीम द्वारा दो आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

मामला 02 घंटे के भीतर सुलझाया गया। 01 आरोपी गिरफ्तार एवं 01 किशोर (JCL) पकड़ा गया। आरोपियों को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से भागते समय रंगे हाथ पकड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज ने आरोपी एवं हथियार का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रात में भारी बारिश के बावजूद हथियार बरामद किया गया। तकनीकी निगरानी एवं जमीनी खुफिया जानकारी से त्वरित सफलता मिली।

घटना का संक्षिप्त विवरणः दिनांक 18.03.2026 को शाम के समय थाना आईपी एस्टेट में चाकू से हमले की एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल को लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घायल, अजमेरी गेट स्थित एंग्लो अरबी स्कूल का छात्र है, जो आंध्र एजुकेशन सोसाइटी में परीक्षा देने आया था। उस पर उसके दो साथियों द्वारा धारदार हथियार (ब्लेड/चाकू) से हमला किया गया। इस संबंध में FIR संख्या 124/2026, धारा 109(1)/3(5) BNS, 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया तथा तुरंत जांच शुरू की गई।

टीम एवं कार्रवाईः इंस्पेक्टर घनश्याम किशोर (SHO/PS आईपी एस्टेट) के नेतृत्व में तथा एसीपी कमला मार्केट श्री कमल शर्मा की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में एसआई गौरव दलाल (आईसी/पीपी एलएन हॉस्पिटल), एचसी राहुल धामा, एचसी अमित, कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल राहुल पंवार और कांस्टेबल बृजपाल शामिल थे। टीम ने तकनीकी निगरानी और जमीनी खुफिया जानकारी के माध्यम से आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया। साथ ही, विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण कर घटना का क्रम और हथियार की पहचान की गई। जांच के दौरान प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपियों को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से उस समय पकड़ा गया जब वे शहर से भागने की कोशिश कर रहे थे। इस त्वरित कार्रवाई से मामले को मजबूत आधार मिला।

आरोपीः सुफियान, निवासी सदर बाजार, दिल्ली (उम्रः 19 वर्ष)

एक किशोर (JCL)

बरामदगीः अपराध में प्रयुक्त धारदार यांत्रिक उपकरण

यह बरामदगी किशोर आरोपी की निशानदेही पर, सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच के बाद, घटनास्थल के पास सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे से की गई, जबकि रात में भारी बारिश हो रही थी।

जांचः आगे की जांच में दोनों आरोपियों ने अपने अपराध को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था। इसी कारण परीक्षा से पहले भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। परीक्षा समाप्त होने के बाद दोनों आरोपी स्कूल के गेट के पास पीड़ित का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वह बाहर आया, उन्होंने उसे घेर लिया। एक आरोपी ने उसे पकड़ा और दूसरे ने उसके सिर पर धाvरदार हथियार से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

(रोहित राजबीर सिंह), आईपीएस उपायुक्त पुलिस (सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट), नई दिल्ली

राहुल बोले- डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं प्रधानमंत्री मोदी, इसी कारण उन्होंने संसद में अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला

» अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से भारतीय किसान और लघु व मध्यम उद्योग तबाह हो जा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एपस्टीन की फाइल्स और अमेरिका में उद्योगपति अडानी पर चल रहे केस के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 100 प्रतिशत नियंत्रण में हैं। इसी कारण सोमवार को संसद में अपने 25 मिनट के भाषण में उन्होंने अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। गुजरात के वडोदरा में 'आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध पर प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में भाषण दिया, लेकिन वह इस मुद्दे पर विपक्ष के साथ बहस में हिस्सा नहीं ले सकते, क्योंकि वे 'कॉम्प्रोमाइज्ड' हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने हमारी कृषि के दरवाजे किसी दूसरे देश के लिए खोले हैं। उन्होंने कहा कि छोटे खेतों वाले भारत के किसान अमेरिका की मशीनीकृत खेती के सामने टिक नहीं पाएंगे और बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश का पूरा डेटा अमेरिका को सौंप दिया गया है। इसके अलावा भारत अगले पांच साल हर वर्ष लगभग नौ लाख करोड़ रुपये का सामान अमेरिका से खरीदेगा, इससे भारत के लघु और मध्यम उद्योग तबाह हो जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस या ईरान से तेल खरीदने के लिए अमेरिका की अनुमति लेने की बात स्वीकार कर ली है। उनके मुताबिक व्यापार समझौते से अमेरिका के लिए तो टैरिफ कम हो गया है, लेकिन बदले में भारत को कुछ लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दबाव में होने का पहला कारण एपस्टीन फाइल्स और दूसरा अमेरिका में अडानी पर चल रहा केस है।

एल्टॉस कंप्यूटिंग (एसर ग्रुप की कंपनी) ने भारत के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए लॉन्च किए 'मेक-इन-इंडिया' एआई सर्वर्स

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, भारत : एल्टॉस कंप्यूटिंग लिमिटेड, जो एसर इंक. ग्रुप की एक कंपनी और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग व एआई इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस की वैश्विक प्रदाता है, ने आज अपने 'मेक-इन-इंडिया' एआई सर्वर पोर्टफोलियो के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत के संप्रभु एआई और डेटा सेंटर इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह घोषणा नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष लॉन्च इवेंट में की गई। इस अवसर पर सुधीर गोयल, एसर इंडिया के चीफ बिजनेस ऑफिसर; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव सुशील पाल;विशाल धूपर, प्रबंध निदेशक, एशिया साउथ, एनवीडिया; इंटेल इंडिया के सीनियर डायरेक्टर (ग्लोबल अकाउंट्स - ओईएम और हाइपरस्केलर्स) पी.पी. सुनील आचार्य; एल्टॉस कंप्यूटिंग इंक. के सीईओ जैकी ली और एल्टॉस इंडिया की डायरेक्टर प्रिया कृष्णमूर्ति सहित मीडिया, प्रौद्योगिकी उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधि और भागीदार उपस्थित थे। इवेंट की मुख्य विशेषता एल्टॉस ब्रेनस्फीयर™ R300 एआई सीरीज सर्वर का अनावरण रहा। यह कंपनी का फ्लैगशिप 'मेक-इन-इंडिया' एआई सर्वर है, जिसे उद्यमों, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी संगठनों और हाइपरस्केल

डेटा सेंटरों में अगली पीढ़ी के एआई वर्कलोड को चलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और उन्नत एआई मॉडल ट्रेनिंग व इन्फरेंस के लिए निर्मित, R300 सीरीज प्लेटफॉर्म हाई-डेंसिटी जीपीयू एक्सेलेरेशन, स्केलेबल मेमोरी आर्किटेक्चर और उन्नत थर्मल दक्षता का समर्थन करता है। इससे संगठनों को प्रदर्शन, विश्वसनीयता और स्केलेबिलिटी बरकरार रखते हुए कम्प्यूट-इंटेंसिव एआई वर्कलोड को मैनेज करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम का समापन एल्टॉस एआई प्लेटफॉर्म्स के लाइव डेमोन्सट्रेशन्स और इंडस्ट्री के प्रमुख हितधारकों के साथ नेटवर्किंग सत्रों के साथ हुआ। इसमें दिखाया गया कि कैसे उन्नत कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भारत की तेजी से बढ़ती एआई और डेटा-संचालित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकता है।

आज़ादी के बाद भी क़ैद हैं महिलाएं" डॉ. कल्याणी सिंह

लोकतंत्र की शान

उपशीर्षकः राष्ट्रीय महासचिव, मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने कहा जब तक महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और समानता नहीं मिलेगी, तब तक देश की आज़ादी अधूरी है "कहते हैं कि भारत 1947 में आज़ाद हो गया, लेकिन क्या सच में इस देश की हर महिला आज़ाद है?" — ये सवाल उठाया है डॉ. कल्याणी सिंह ने, जो मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन की राष्ट्रीय महासचिव हैं। उन्होंने समाज में महिलाओं की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी महिलाएं मानसिक, सामाजिक और कई बार शारीरिक बंधनों में जकड़ी हुई हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि आज़ादी केवल सीमाओं की नहीं, बल्कि विचारों और जीवन जीने की स्वतंत्रता की भी होती है। अगर एक महिला अपने घर, समाज या कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो यह आज़ादी अधूरी ही मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो एक गंभीर सामाजिक सच्चाई है। उन्होंने बताया कि हर दिन अख़बारों और समाचार माध्यमों में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और शोषण की खबरें सामने आती हैं। यह घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती हैं, बल्कि समाज की मानसिकता को भी उजागर करती हैं। "जब एक बेटी की आवाज़ दबा दी जाती है, जब एक महिला के सपनों का मज़ाक उड़ाया जाता है, तब हम किस आज़ादी की बात करते हैं?" — उन्होंने सवाल किया। डॉ. कल्याणी सिंह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं के प्रति भेदभाव केवल अपराधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोज़मर्रा की सोच और व्यवहार में भी दिखाई देता है। अक्सर महिलाओं को यह कहकर रोका जाता है कि "इतनी बड़ी सोच लड़कियों

के लिए नहीं है" या "ज़्यादा बोलना ठीक नहीं।" इस तरह की सोच महिलाओं के आत्मविश्वास और स्वतंत्रता को भीतर ही भीतर खत्म कर देती है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में शारीरिक रूप से अक्षमता से जूझ रही महिलाओं की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें अक्सर सहानुभूति के नाम पर दया का पात्र बना दिया जाता है, जबकि उन्हें आवश्यकता है समान अवसर, सम्मान और आत्मनिर्भर बनने के अवसरों की। डॉ. सिंह ने कहा कि यह विडंबना है कि भारत में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है, लेकिन वास्तविक जीवन में वही नारी दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, यौन अपराध और सामाजिक भेदभाव का सामना करती है। "एक ओर हम नारी को शक्ति का प्रतीक मानते हैं, वहीं दूसरी ओर उसे निर्णय लेने की स्वतंत्रता तक नहीं देते — यह दोहरी मानसिकता खत्म करनी होगी," उन्होंने कहा। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान केवल सरकार या कानून की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह प्रभावी नहीं हो सकता। डॉ. कल्याणी सिंह ने यह भी कहा कि महिलाओं को अब अपनी आवाज़ उठानी होगी और समाज को उनकी आवाज़ को सुनना और समझना होगा। "किसी महिला की चुप्पी को उसकी कमजोरी न समझें, बल्कि उसकी सहनशक्ति और परिस्थितियों से लड़ने की ताकत के रूप में देखें," उन्होंने कहा। अंत में उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि असली आज़ादी तभी मानी जाएगी जब देश की हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ जीवन जी सके। जब कोई लड़की बेख़ौफ़ होकर अपने सपनों का पीछा कर सके, जब किसी महिला की आवाज़ को दबाया नहीं बल्कि सराहा जाए, और जब समाज हर महिला को बराबरी का अधिकार दे — तभी हम सच्चे मायनों में आज़ाद कहलाएंगे। "जब देश की आधी आबादी डर और असमानता में जी रही हो, तो आज़ादी का जश्न अधूरा है। असली आज़ादी तब होगी, जब हर महिला गर्व से कह सके — 'हाँ, अब मैं सच में आज़ाद हूँ।'"

ASSOCHAM Unveils India Leadership of BIMSTEC Business Council; Sets Agenda on Trade, Connectivity & MSME Cooperation Ahead of BIMSTEC@30

LKS

New Delhi : The Associated Chambers of Commerce and Industry of India (ASSOCHAM) has reinforced India's commitment to BIMSTEC reflecting its strategic vision of strengthening regional cooperation in the Bay of Bengal region as part of its "Neighbourhood First" and "Act East" policies. India as a founding member, has consistently played a proactive role in advancing connectivity, trade facilitation, energy cooperation, and capacity building among member states. India's support for institutional strengthening, including the BIMSTEC Secretariat, and its emphasis on inclusive growth, resilient supply chains, and sustainable development underscore its long-term commitment to making BIMSTEC a vibrant and effective regional grouping. ASSOCHAM, as a founding member and India Secretariat of the BIMSTEC Business Council, under the aegis of the Ministry of External Affairs, Government of India, has revitalised the BIMSTEC Business Council India secretariat by launching the leadership of India for the BIMSTEC Business Council. ASSOCHAM's commitment to BIMSTEC lies in institutional leadership, industry mobilization, and policy advocacy, making it a key driver in transforming BIMSTEC from a regional grouping into a vibrant economic partnership platform. Tribhuvan Darbari, India Chair, BIMSTEC Business Council, said in his opening address, "BIMSTEC represents a USD 5 trillion opportunity. The time is ripe to unlock this potential through deeper trade integration, stronger supply chains, and seamless connectivity. The real opportunity within BIMSTEC lies in converting policy alignment into business outcomes. From trade facilitation and logistics integration to MSME collaboration and digital innovation, there is strong potential

to deepen regional value chains. ASSOCHAM will focus on creating a robust platform for industry-government engagement, enabling businesses to scale across borders and leverage emerging opportunities in manufacturing, services, and sustainable sectors." Nirmal K. Minda, President, ASSOCHAM, who joined the launch and in his address he put impetus on ASSOCHAM's vision for BIMSTEC and emphasised its commitment to strengthening connectivity, empowering MSMEs, and unlocking new avenues for investment and innovation across member nations. Furthermore, Indra Mani Pandey, Secretary General, BIMSTEC, emphasised, "We need to create dependency regionally rather than depending on the global supply chains, whether in energy security, health security etc. We can deal with such challenges working together" Saurabh Sanyal, Secretary General, ASSOCHAM, added, "This marks not just an institutional milestone, but a lasting commitment to businesses across seven nations. Our focus is on turning intent into action through robust industry–government collaboration." H.E. Dr. Shankar Prasad Sharma, Ambassador of Nepal to India, Mr. Penday Dorji, Counsellor (Economic), Royal Bhutanese Embassy, New Delhi, Mrs. Thin Pyant Thida Kyaw, Deputy Chief of Mission/Minister Counsellor, Embassy of the Republic of the Union of Myanmar, New Delhi, Mr. Geshan Dissanayake, Minister Counsellor (Commercial), The High Commission of Sri Lanka to India and Ms. Charoenporn Raksapolmuang (Counsellor), Royal Thai Embassy in New Delhi, participated in the deliberations and shared their support to ASSOCHAM in BIMSTEC initiatives. ASSOCHAM remains committed to supporting the formation of the BIMSTEC Chamber of Commerce and Industry and will work closely with counterpart chambers across member countries to chart a forward-looking roadmap for regional cooperation. The roadmap unveiled under this initiative focuses on enhancing intra-regional trade and investment, accelerating multimodal connectivity, promoting MSME internationalisation, and advancing collaboration in key sectors such as fintech, agritech, renewable energy, and the blue economy—laying a strong foundation for deeper economic integration in the BIMSTEC region ahead of its 30-year milestone in 2027.

संक्षिप्त समाचार

मेरठ में मजलिस का ईद मिलन समारोह चौधरी मुशीर अली खान ने भरी हुंकार

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , मेरठ। शहर में आज ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन द्वारा भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी मुशीर अली खान साहब ने शिरकत कर अवाम को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी और उनका उत्साह पार्टी के प्रति बढ़ते भरोसे और मोहब्बत को साफ़ तौर पर बयां कर रहा था। अपने संबोधन में चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि मजलिस आज देश की सियासत में एक मज़बूत और बेबाक आवाज़ बनकर उभर रही है, जो हर मजलूम और कमजोर तबके के हक़ की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जमीनी स्तर पर पार्टी को और मजबूत करें। इस अवसर पर मजलिस युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नूर मोहम्मद पाशा ने कार्यक्रम की अगुवाई की और आए हुए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि युवाओं का जोश और भागीदारी ही पार्टी की असली ताकत है। समारोह में मजलिस युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा बड़ी तादाद में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप मिल गया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी मेहमानों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह एकजुट होकर पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राममनोहर लोहिया की जयंती पर केक काटकर दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान : खिज़्र अहमद, नजीबाबाद: महान समाजवादी विचारक एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राममनोहर लोहिया की जयंती सोमवार को नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मोहल्ला जाब्तागंज स्थित अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव वीरेंद्र यादव के आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला महासचिव सय्यद मुनव्वर अली मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर जयंती मनाई गई और डॉ. राममनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर सय्यद मुनव्वर अली ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. लोहिया भारतीय राजनीति के ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी चिंतक और सच्चे समाज सुधारक भी थे। उनका जन्म 23 मार्च 1910 को हुआ था और बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई और अंग्रेजों के खिलाफ कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। महात्मा गांधी के साथ मिलकर उन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी और कई बार जेल भी गए, लेकिन अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। सय्यद मुनव्वर अली ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी आज भी डॉ. लोहिया की विचारधारा पर चल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनेगी और डॉ. लोहिया के सिद्धांतों को पूर्ण रूप से लागू करते हुए समतामूलक समाज की स्थापना की जाएगी।

5 वे दिन स्कंद माता की पूजा अर्चना कर भक्तों ने लिया आशीर्वाद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर:सोमवार को नवरात्र के पांच वे दिन मां स्कंद माता की पूजा अर्चना की गई भक्तों ने 5 वे दिन अपने घरों के साथ-साथ नगर के मां चामुंडा मंदिर पर पहुंचकर मां स्कंद माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया, बता ते चलें कि हल्की फुल्की बारिश के दौरान भी मंदिरों पर भक्तों की भारी भीड़ नजर आई वही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रहा, सोमवार को नगर के शक्तिपीठ मां चामुंडा देवी पर चैत्र नवरात्र के पांचवें दिन नवदुर्गाओ में पंचम देवी मां स्कंद माता की भक्तों ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर माता रानी से सुख शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद लिया, सुबह 4 बजे से ही भक्तों की भीड़ मां की पूजा करने के लिए पहुंचनी प्रारंभ हो गई जो प्रातः 11:00 बजे तक लगातार जारी रही, वही नगर के चामुंडा मंदिर के साथ-साथ झारखंड महादेव शिवाला मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, हनुमान मंदिर, माईजी महाराज के मंदिर, शिव मंदिर सहित नगर के विभिन्न मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ नजर आई, वही भक्तों द्वारा माता को श्रृंगार का सामान तथा फल, फूल, प्रसाद, नारियल चुनरी आदि अर्पित की गई और माता की ज्योत प्रचलित की गई, मान्यता है कि नवरात्रि के पांचवें नवरात्र को विधि विधान से स्कंद माता की उपासना करने से साधक की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं, इस दिन देवी की कथा का पाठ और केले का भोग लगाने से मां प्रसन्न होती हैं, मनचाहे फल मिलते हैं, वही नगर पालिका द्वारा मंदिरों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था एवं चुनाव डलवाया गया तथा सुरक्षा की दृष्टि से कस्बा इंचार्ज राम प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ मंदिरों के आसपास गस्त लगाते नजर आए और मंदिरों पर पुलिस बल तैनात रहा 1

थाना हजरतनगर गढ़ी: सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती नारी

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत पुलिस द्वारा व्यापक महिला जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में संचालित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना रहा। थाना हजरतनगर गढ़ी प्रभारी सुधीर पवार एवं महिला उपनिरीक्षक रश्मी मलिक के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने गांवों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों तथा थाना परिसर में महिला डेस्क पर भी विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। थाना परिसर में स्थित महिला डेस्क पर उपनिरीक्षक रश्मी मलिक ने विशेष रूप से महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा कानूनों, हेल्पलाइन नंबरों तथा साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में वे बिना झिझक पुलिस से संपर्क करें। उपनिरीक्षक रश्मी मलिक ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिससे कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं में विशेष उत्साह और जागरूकता देखने को मिली। अभियान के तहत महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए और उन्हें यह समझाया गया कि आज के डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए हर महिला का जागरूक और सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। थाना प्रभारी सुधीर पवार ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें इतना सशक्त बनाना है कि वे हर परिस्थिति में अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं कर सकें। जब महिलाएं निडर और जागरूक बनेंगी, तभी समाज वास्तविक रूप से सशक्त होगा। महिला उपनिरीक्षक रश्मी मलिक ने कहा कि महिलाओं की जागरूकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। आज साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए हर महिला को डिजिटल रूप से सतर्क रहना चाहिए। यूपी पुलिस हर महिला की सुरक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। मिशन शक्ति, जो उत्तर प्रदेश सरकार एवं पुलिस विभाग द्वारा संचालित एक महत्वाकांक्षी अभियान है, महिलाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सम्मानित बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। यह अभियान नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। अभियान के दौरान महिलाओं और बालिकाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने पुलिस की इस सराहनीय पहल की खुलकर प्रशंसा की। यह स्पष्ट है कि जागरूक और सशक्त नारी ही एक मजबूत और विकसित समाज की आधारशिला है।

मुख्यमंत्री योगी ने की मेट्रो परियोजनाओं की समीक्षा समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश में संचालित मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को आधुनिक, सुगम और विश्वस्तरीय शहरी परिवहन व्यवस्था में देश का अग्रणी राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए निर्माण से लेकर संचालन तक हर स्तर पर दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और संबंधित विभागों के बीच नियमित समन्वय बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि शहरों की अर्थव्यवस्था को गति देने और निवेश आकर्षित करने का मजबूत माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो परियोजनाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आय के नए स्रोत विकसित किए जाएं। स्टेशनों और परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियों जैसे मल्टीलेवल पार्किंग, रिटेल, फूड कोर्ट और ऑफिस स्पेस को बढ़ावा दिया जाए, विज्ञापन और डिजिटल ब्रांडिंग के अवसरों का अधिकतम उपयोग हो, तथा मेट्रो की भूमि और अन्य परिसंपत्तियों का बेहतर ढंग से उपयोग किया जाए। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट के माध्यम से बड़े स्तर पर राजस्व सृजन, भूमि मूल्य संवर्धन और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया, ताकि मेट्रो परियोजनाएं दीर्घकाल में आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि मेट्रो के साथ मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाए और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि यात्रियों को घर से गंतव्य तक निर्बाध यात्रा मिल सके। इसके लिए मेट्रो स्टेशनों को सिटी बस, ई-रिक्शा, टैक्सी और ऐप आधारित सेवाओं से जोड़ा जाए। तीनों शहरों में अतिरिक्त पार्किंग स्थलों के विकास, फीडर रूट के निर्धारण और निजी बस सेवाओं के समन्वय पर भी तेजी से काम करने को कहा गया।

बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए, आपके परिवार की सुरक्षा, सम्मान सरकार के जिम्मे: सीएम योगी

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों को किया आश्वस्त
» सीमा व आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों की समस्याओं का समयसीमा के भीतर उचित निराकरण कराएं प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी: सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। 'आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए। आपके परिवार समेत प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा, सहूलियत, सुरक्षा और सम्मान सरकार के जिम्मे है। सरकार इसे लेकर पहले दिन से गंभीर है।' ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों से कहीं। मुख्यमंत्री ने सैनिकों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए। सरकार हर समस्या का उचित निराकरण कराएगी। 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता व स्थानांतरण आदि से जुड़े मामले भी आए। सीएम ने एक-एक कर सबकी समस्याओं को सुना, प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को समय सीमा के अंदर उनके उचित निस्तारण का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में कई जनपदों से सैनिक भी आए। इनमें से कुछ मामले जमीनी विवादों के भी थे। सीएम योगी ने इनके प्रार्थना पत्र लिए और स्थानीय जिला-प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों से संपर्क करें। उनकी समस्याओं का हर हाल में समयसीमा के अंदर उचित निराकरण कराएं और पीड़ित परिवार को संतुष्ट करें। 'जनता दर्शन' में पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता और स्थानांतरण से जुड़े मामले भी आए। सीएम योगी ने पीड़ितों के प्रार्थना पत्र लेते हुए कहा कि जमीनी विवाद में सभी पक्षों को सुनकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता के मामले पर सीएम ने मरीज के परिजनों से कहा कि आर्थिक सहायता के लिए आवेदन करते हुए अस्पताल से एस्टिमेट बनवा लीजिए। सरकार हर तबके की मदद के लिए तत्पर है। आप मरीज की देखभाल कीजिए, इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए, सरकार पूरी मदद करेगी। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

लखनऊ में 12 अप्रैल को खुलेगा पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का प्रदेश कार्यालय, महिला मोर्चा का भी गठन

लोकतंत्र की शान

» पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय का शुभारम्भ 12 अप्रैल को राजधानी के पंडितखेड़ा में
» राजधानी में व्यापार मंडल का प्रदेश कार्यालय स्थापित होने से व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में होगी आसानी : मुकुल अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री
» प्रदेश महामंत्री ने जिला अध्यक्ष स. सतविंदर सिंह की संस्तुति पर किया लखनऊ जनपद में महिला मोर्चा का गठन
» श्रीमती पूनम चौरसिया प. उ. प्र. उद्योग व्यापार मंडल महिला मोर्चा की लखनऊ जिलाध्यक्ष मनोनीत

लखनऊ | पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जनपद लखनऊ की एक अति आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष सरदार सतविंदर सिंह की अध्यक्षता एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाज सेवी अरुण शुक्ला एडवोकेट के संचालन में पंडितखेड़ा स्थित सतवेन्द्र कॉम्प्लेक्स पर संपन्न हुई | बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल उपस्थित रहे | बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 12 अप्रैल दिन रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय का शुभारंभ पंडित खेड़ा में किया जाएगा | कार्यक्रम की समीक्षा हेतु आहूत बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल ने कहा कि संगठन का प्रदेश की राजधानी में कार्यालय स्थापित होना संगठन की बहुत बड़ी उपलब्धि है इससे प्रदेश के व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक बहुत पहुंचाने में आसानी होगी साथ ही संगठन की सक्रियता को बल मिलेगा | प्रदेश महामंत्री ने लखनऊ के व्यापारियों की समस्याओं जैसे नगर निगम द्वारा व्यापारियों को अवैध तरीके से नोटिस देकर अवैध वसूली करने की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र ही इस संदर्भ में महापौर से बात करने का आश्वासन दिया | प्रदेश महामंत्री ने खाद्य विभाग द्वारा व्यापारियों के सैंपल के नाम पर अवैध वसूली करने, व्यापारी सुरक्षा आयोग बनाने, जैसी मांगों पर भी बल दिया | उन्होने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 12 अप्रैल को प्रदेश कार्यालय के शुभारंभ समारोह में 40 जनपदों के व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे | प्रदेश महामंत्री ने जिला अध्यक्ष सरदार सतविंदर सिंह की संस्तुति पर लखनऊ जनपद में महिला मोर्चा का गठन करते हुए श्रीमती पूनम चौरसिया को महिला मोर्चा का लखनऊ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया | इस अवसर पर सी.एन. शुक्ला, एस. एन. तिवारी, पप्पू यादव, सरदार अजीत सिंह, प्रेम सिंह, सूरज कुमार, मुकेश कुमार, लवकुश यादव, सतेन्द्र यादव, अनिल कुमार, सरदार प्रभजोत सिंह, सरदार रक्सजोत सिंह,श्रीमती पूनम चौरसिया, एड. अंजू गुप्ता, मनीषा शर्मा, निशा एवं संध्या सहित क्षेत्र के अनेक व्यापारी मौजूद रहे |

शहीद दिवस पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने किया शहीदों को नमन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजपाल सैनी ने शहीद दिवस के अवसर पर वीर सपूतों को नमन करते हुए शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया, इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष राजपथ सैनी ने कहा कि आज का दिन उन वीरों को याद करने का है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था उन्होंने बताया कि 1931 को देश के महान बलिदानी सरदार भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फांसी दी गई थी तथा फांसी पर ले जाते समय तीनों ने इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए थे जिससे वहां मौजूद जनता में उत्साह और जोश पैदा हो रहा था, ऐसे वीर सपूतों को हमें नमन करना चाहिए जिनकी वजह से हम आज स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इस मौके पर मुख्य रूप से इशांत सैनी, राहुल सैनी, विपिन हिंदुस्तानी, राहुल हिंदुस्तानी, निशांत चौहान, अंकुर प्रजापति, शिवम प्रजापति, चंदन प्रजापति, राहुल प्रजापति, करन सिंह, पूर्व सभासद शकील मलिक आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे 1

नजीबाबाद की पहचान: भरोसे, खिदमत और इंसानियत का नाम - मौअज़्ज़म खाँ एडवोकेट

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

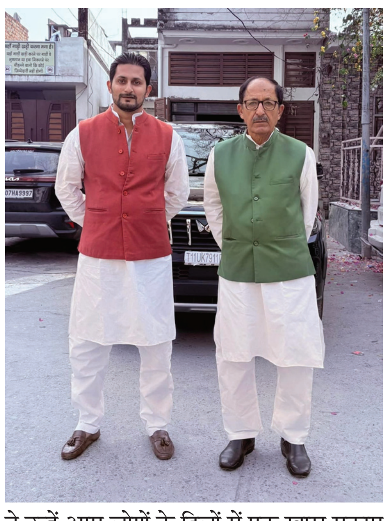

» उन्हीं के नक्शे कदम पर उनके बेटे शाहबाज खान भी खरे उतर रहे 24 घण्टे जनता बीच रहने का काम करते है

नजीबाबाद : नजीबाबाद शहर की मिट्टी में एक ऐसा नाम हैं, जो वक्त के साथ सिर्फ पहचान नहीं रहते, बल्कि एक एहसास बन जाते हैं। नजीबाबाद की सरज़मीं पर ऐसा ही एक नाम है—पूर्व चेयरमैन मौअज़्ज़म खाँ एडवोकेट। उन्होंने सिर्फ एक पद की जिम्मेदारी नहीं निभाई, बल्कि उस भरोसे को जिया, जो लोग अपने दिलों में लेकर उनके दरवाज़े तक आते थे। और भी लोग उसी भरोसे के साथ बे झिझक पहुंच जाते है उनके पास आने वाला हर शख्स यह यकीन लेकर आता था कि उसकी बात सुनी जाएगी—और शायद ही कोई मायूस लौटा हो। इंसाफ की बात हो, किसी गरीब की मदद का सवाल हो या शहर के विकास की योजना—मौअज़्ज़म खाँ ने हर मोर्चे पर अपने कर्तव्यों को सिर्फ निभाया ही नहीं, बल्कि उन्हें एक मिसाल बना दिया। उनकी सादगी, विनम्रता और लोगों के दर्द को समझने की काबिलियत ने उन्हें आम लोगों के दिलों में एक खास मुकाम दिया। आज भी जब उनका जिक्र होता है, तो लोगों की आंखों में सम्मान और जुबान पर उनके किस्से खुद-ब-खुद आ जाते हैं। उनके फैसले, उनके शब्द और उनका अपनापन आज भी नजीबाबाद की फिज़ाओं में महसूस किया जा सकता है। इसी विरासत को अब उनके बेटे शाहबाज खान पूरी शिद्दत के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वो न सिर्फ अपने पिता के नक्शे-कदम पर चल रहे हैं, बल्कि उसी इंसानियत, उसी सेवा-भाव और उसी अपनत्व को अपने व्यवहार में उतार रहे हैं। शहर के लोगों के बीच उनकी मौजूदगी, हर किसी की बात को ध्यान से सुनना और हर मुमकिन मदद के लिए आगे आना—ये सब उन्हें एक नई पहचान दे रहा है। नजीबाबाद के लिए ये बाप-बेटे सिर्फ दो नाम नहीं हैं, बल्कि एक मजबूत भरोसा हैं— ऐसा भरोसा, जो हर मुश्किल घड़ी में लोगों के साथ खड़ा नजर आता है।

असगर अली अंसारी के नेतृत्व में सपा का हमला, कहा–शहीदों के सपनों से भटक गई सरकार

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/बहजोई। समाजवादी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक बीआर होटल, बबराला रोड बहजोई में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवाद के पुरोधा डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को याद किया गया। साथ ही शहीद दिवस के मौके पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की सरकार शहीदों के सपनों और उनके आदर्शों से भटक चुकी है। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने समाज में समानता, न्याय और समाजवाद की जो सोच दी थी, वही आज भी देश को सही दिशा दिखा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सपा कार्यकर्ता लोहिया जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं और समाजवाद की स्थापना के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने डॉ. लोहिया के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाजवाद को भारतीय संदर्भ में नई दिशा दी और हमेशा सामाजिक न्याय व बराबरी की लड़ाई लड़ी। बैठक को वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी, उमेश दिवाकर, उमेश यादव, कमल शर्मा, बलवंत सिंह ने भी संबोधित किया। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य उमेश यादव, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरेशी, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध सभा कमल शर्मा, उमेश दिवाकर, बलवंत सिंह, रवि दिवाकर, कपिल देव, लोकेश यादव, निकुंज गंगवार, एपी यादव एडवोकेट, राजवीर सिंह यादव, पप्पू शर्मा, मुकेश यादव, डॉ. हो राम सिंह, अनिकेत गुप्ता, नेताजी लायक सिंह, देवकीनंदन कुशवाहा, राकेश यादव, अतुल यादव, महबूब अली, कुलवंत राघव, हरिश्चंद्र आर्य, अशोक राणा एडवोकेट (राष्ट्रीय सचिव मजदूर सभा), आसिफ इकबाल (आसिफ भाई), चेतन गुप्ता (जिला अध्यक्ष नदीम किसान यूनियन तराई क्षेत्र), विपिन कुमार सक्सेना, प्रतीक नानू, बलवंत सिंह, राजवीर, दिनेश कुमार, मुरारी लाल, विजय कुमार, राम रतन, राकेश दिवाकर, सूरजपाल, गंगा सिंह, चरण सिंह (प्रधान जी), राजू दिवाकर, तस्लीम भाई, मुस्ताक, राहुल भाई, पहलवान, जमील भाई, एसपी बिलाल, फराज असगर, प्रकाश प्रजापति आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

इंटरकास्ट मैरेज के बाद मुजफ्फरपुर में युवक की हत्या, फोन पर मिली सूचना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। मुजफ्फरपुर में अंतरजातीय विवाह करने वाले एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अमित कुमार पाण्डेय के रूप में हुई है। घटना को लेकर जहां परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं, वहीं पुलिस की शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है। वैशाली के मांगनपुर गांव निवासी मृतक के भाई गौतम कुमार पाण्डेय ने बताया कि 19 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन कर अमित की मौत की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वह परिजनों के साथ मुजफ्फरपुर के भीखनपुरा उत्तर टोला स्थित महाराणा नगर रोड नंबर-05 स्थित उनके आवास पहुंचे। वहां स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस अमित को अस्पताल ले गई है। परिजनों के अनुसार, अमित कुमार पाण्डेय ने साल 2020 में तुर्की थाना क्षेत्र के जावा दिह गांव निवासी रागनी प्रजापति से कोर्ट मैरिज के जरिए अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था। शादी के शुरुआती एक वर्ष तक दोनों का वैवाहिक जीवन सामान्य रहा, लेकिन बाद में पारिवारिक तनाव बढ़ने लगा। गौतम कुमार पाण्डेय का आरोप है कि उनकी भाभी और ससुराल पक्ष के लोग अमित को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उन पर पैतृक जमीन बेचकर शहर में बसने का दबाव बनाया जा रहा था। पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए अमित गांव छोड़कर मुजफ्फरपुर में रहने लगे थे।

रोड एक्सीडेंट में मजदूर की मौत, घर से 500 मीटर दूर काम से जा रहा था, ई-रिक्शा ने टक्कर मारी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 42 वर्षीय अमरजीत कुमार की मौत हो गई। कोयला मोहन गांव के पास एक तेज रफ्तार मालवाहक ई-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह घटना इमादपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर कोयला मोहन गांव के पास हुई। अमरजीत कुमार अपने घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान इमादपुर से महुआ की ओर जा रहे

एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक अमरजीत कुमार कोयला मोहन गांव निवासी स्वर्गीय विश्वनाथ राय के इकलौते पुत्र थे। वे विवाहित थे और उनके चार बच्चे हैं, जिनमें एक लड़का और तीन लड़कियां शामिल हैं। उनके चचेरे भाई और पूर्व जिला पार्षद सदस्य पंछीलाल राय ने इस जानकारी की पुष्टि की है। घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और सराय थाना पुलिस को सूचना दी। परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल अमरजीत को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सराय थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि कोयला मोहन गांव में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है; आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली में पप्पू यादव बोले- राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने सोनपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने एक पीड़ित परिवार से मुलाकात की और नीतीश सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने पटना के गर्ल्स हॉस्टलों में रहने वाली छात्राओं को मुफ्त गैस सिलेंडर देने की भी घोषणा की। सांसद पप्पू यादव सोनपुर निवासी बिट्टू सिंह के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। बिट्टू सिंह की हाल ही में पटना के दानापुर में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए सांसद ने राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार में यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार कौन चला रहा है और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। पप्पू यादव

ने अपराधियों के बढ़ते मनोबल और लचर व्यवस्था के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों पर विभिन्न मुद्दों पर केवल 'लाइन लगाने' का आरोप लगाया, जैसे कोरोना, नोटबंदी और अब रसोई गैस के लिए। अपने दौरे के दौरान, पप्पू यादव ने छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि पटना के गर्ल्स हॉस्टलों में रहने वाली सभी छात्राओं को मुफ्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के दौरान होने वाली असुविधाओं को दूर करना है। पप्पू यादव के इस दौरे और मुफ्त गैस सिलेंडर के उनके वादे ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। अब देखना होगा कि सरकार इस घोषणा पर क्या प्रतिक्रिया देती है।

बुलेट बाइक की टक्कर से दो की मौत, परसा बाजार में मजदूर को रौंदा, एक युवक घायल

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में रात एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक की टक्कर से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना सिमरा हाईवे पर हुई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, सिमरा के पास मजदूरी कर घर लौट रहे पिंटू दास को तेज रफ्तार बुलेट बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिंटू दास उछलकर

सड़क किनारे जा गिरे। इसी क्रम में बुलेट बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक चला रहे कुर्जी निवासी राहुल कुमार और सड़क पार कर रहे मजदूर पिंटू दास की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बुलेट पर सवार कंकड़बाग निवासी अविनाश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। उन्होंने पटना-डोभी हाईवे मार्ग को टायर जलाकर बंद कर दिया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि इस मार्ग पर गाड़ियों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सूचना मिलते ही परसा बाजार थाना प्रभारी मेनका रानी दलबल के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझा-बुझाकर मार्ग को साफ कराया और यातायात बहाल किया।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, में प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली का प्रथम दीक्षांत समारोह 23 मार्च 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में भव्य, गरिमामय एवं ऐतिहासिक वातावरण में आयोजित किया गया। पूरे परिसर में उत्साह, गर्व और उपलब्धि की भावना का माहौल था, जिसने उत्कृष्ट आयोजन, सांस्कृतिक गरिमा और शैक्षणिक उत्कृष्टता के माध्यम से इस अवसर को अविस्मरणीय बना दिया। समारोह के दौरान विभिन्न संकायों के कुल 205 विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उपाधियाँ प्रदान की गईं, जबकि 21 मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और अभिभावकों के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण बना। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष श्री संतोष चौबे ने की। बिहार सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री राम कृपाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "युवा राष्ट्र की प्रगति की नींव हैं और आज के विद्यार्थी कल के भारत के निर्माता हैं।" उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, कौशल विकास अपनाने तथा आधुनिक तकनीक के साथ कृषि को जोड़ते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों में बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र नारायण यादव ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक शिक्षा का समापन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता की नई यात्रा का आरंभ है।" स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलाधिपति एवं एआईएसईसीटी समूह के सचिव डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने दीक्षांत भाषण दिया। अपने दूरदर्शी संबोधन में उन्होंने 'एआई साक्षरता सम्मेलन' (AI Literacy Meet) की शुरुआत की घोषणा की और आज के युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु एआई का ज्ञान आवश्यक है और सभी स्नातकों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री संतोष चौबे ने कहा कि एआईएसईसीटी समूह के अंतर्गत इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान एवं अन्य तकनीकी विषयों की उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और सुलभ बताया। कार्यक्रम में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली के कुलाधिपति श्री अरविंद चतुर्वेदी, केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (CIPET) के निदेशक डॉ. उपेंद्र पाल सिंह तथा पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, बिहार के चेयर श्री कुमुद कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को व्यावसायिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की दीक्षांत स्मारिका, वार्षिक प्रतिवेदन एवं समाचार पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही "वैशाली: इतिहास, संस्कृति और धरोहर" तथा "ए टेक्स्टबुक ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैथमैटिक्स (पार्ट-सी)" नामक दो पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया, जो संस्थान की शैक्षणिक और बौद्धिक उन्नति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं प्रेरक वक्ता श्री आशीष विद्यार्थी का प्रेरणादायक संबोधन रहा। अपने ऊर्जावान और प्रभावशाली भाषण में उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और दृढ़ता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि "सफलता उन्हीं को मिलती है, जो चुनौतियों को अवसर में बदल देते हैं।" कुलपति डॉ. समित तिवारी ने स्वागत भाषण दिया तथा विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति और भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) बृजेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और वर्षों के समर्पण का उत्सव बताया। यह प्रथम दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा की सफल पूर्णता का प्रतीक बना, बल्कि नई आकांक्षाओं, जिम्मेदारियों और अवसरों की शुरुआत भी है। यह आयोजन विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता, परंपरा और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

हरियाणवी एक्ट्रेस की कमर छूने पर महिला आयोग सख्त, 2 अप्रैल को सुनवाई के लिए बुलाया

लोकतंत्र की शान, पटना

भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की स्टेज पर भोजपुरी सिंगर-एक्टर द्वारा कमर छूने का मामला फिर तूल पकड़ गया है। अंजलि ने हरियाणा महिला आयोग को शिकायत भेजी है। ई-मेल के जरिये इस मामले से जुड़े सबूत भी आयोग को भेजे हैं। अंजलि राघव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि एक कार्यक्रम के दौरान उनकी अनुमति के बिना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसके बाद उन्हें मानसिक तनाव और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा।८ एक्ट्रेस ने बताया कि मामले को पहले आपसी समझौते से सुलझा लिया गया था, लेकिन बाद में फिर से उनके खिलाफ फर्जी और आपत्तिजनक पोस्ट फैलाए गए। जिससे उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा है कि हमारे पास शिकायत आई है। 4 महीने पहले की घटना है। एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे लगा मेरे कपड़े पर टैग लगा है, जिसे वे हटाने की कोशिश कर रहे हैं। रेनू भाटिया ने कहा कि ऐसी घटना पर एक्ट्रेस को चांटा मारना चाहिए था। इस मामले में दोनों कलाकारों को बुलाया जाएगा। इस घटना से उन्हें मिलने वाले रोल मिला या नहीं मिला, यह अलग विषय है। 2 अप्रैल को फरीदाबाद सुनवाई के लिए बुलाया गया है। सुनवाई के दौरान बात की जाएगी।

पीआर टीम ने लगातार धमकियां दीं: पवन सिंह की पीआर टीम ने मुझे लगातार धमकियां दीं। कहा गया कि मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएंगे औरबदनाम किया जाएगा। मेरे खिलाफ कई फर्जी और आपत्तिजनक पोस्ट किए गए। कुछ क्षेत्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए मेरे बारे में झूठी कहानियां और अफवाहें भी फैलाई गईं।

मानसिक तनाव और सामाजिक बहिष्कार का दावा: इन घटनाओं के कारण मुझे मानसिक पीड़ा और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा। इसका असर मेरे काम पर भी पड़ा। मैं दिल्ली रामलीला में पिछले लंबे समय से माता सीता का किरदार निभाती आ रही थी। मुझसे वो किरदार छीन लिया गया। जो मेरी दिवंगत माता की अंतिम इच्छा से जुड़ा था। कुछ लोगों ने मेरा और परिवार का बहिष्कार किया, जिससे अवसाद की स्थिति में पहुंच गईं।

साइबर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की: शिकायत में आगे लिखा- मैंने संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट्स और मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ साइबर पुलिस दिल्ली में शिकायत दी, लेकिन अभी तक आपत्तिजनक सामग्री हटाई नहीं गई है। आयोग आपत्तिजनक पोस्ट और झूठे इंटरव्यू तुरंत हटवाए। साथ ही संबंधित लोगों से सार्वजनिक माफी दिलवाई जाए।

'सबका सम्मान–जीवन आसान' के तहत जनता से संवाद, 30 आवेदनों की सुनवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत "सबका सम्मान–जीवन आसान" (Ease of Living) कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को आम नागरिकों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समेकित रूप से कुल 30 आवेदनों की सुनवाई की गई तथा संबंधित कार्यालयों को उनके शीघ्र एवं सम्यक निष्पादन के निर्देश दिए गए। सुनवाई के क्रम में भेलवा वार्ड संख्या-03 निवासी कपिलदेव राम, वार्ड संख्या-28 संतनगर निवासी बसंत कुमार तथा भटपुरा (सिमरी बख्तियारपुर) निवासी उमा यादव ने भूमि विवाद से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इन मामलों के निष्पादन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) को निर्देशित किया गया। वहीं, महिषी निवासी राकेश कुमार सिंह के आवेदन के निष्पादन हेतु अंचलाधिकारी, महिषी को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से भूमि विवाद, भूमि मापी में विलंब तथा अतिक्रमण से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, अपर समाहर्ता (वि० जांच) गणेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सहरसा में PNG आपूर्ति को तेज करने पर जोर, 15 दिनों में कनेक्शन देने का लक्ष्य

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सहरसा जिले में घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) आपूर्ति को तेज करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) परियोजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 15 दिनों के भीतर सभी आवेदकों को PNG कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। Indian Oil Corporation Limited के एरिया प्रबंधक ने आश्वस्त किया कि पाइपलाइन बिछाने सहित आवश्यक कार्य तेजी से पूरे किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने लक्ष्य की समयसीमा को ध्यान में रखते हुए "डबल शिफ्ट" में कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में PNG के फायदों पर भी प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने बताया कि PNG एलपीजी सिलेंडर की तुलना में सस्ती, सुरक्षित और 24x7 निरंतर आपूर्ति वाली सेवा है। इससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर बदलने और बुकिंग की झंझट से मुक्ति मिलेगी, साथ ही "पहले इस्तेमाल, बाद में भुगतान" (पोस्टपेड) की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न योजनाएं भी प्रस्तुत की गईं। Scheme A5 के तहत आकर्षक EMI और रिफंडेबल शुल्क की सुविधा है, जबकि Scheme B5 में आंशिक अग्रिम भुगतान और बिल के साथ भुगतान का विकल्प दिया गया है। पंजीकरण के लिए केवल पहचान पत्र और पते का प्रमाण आवश्यक बताया गया। एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में मांग के मुकाबले पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है। साथ ही कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करते हुए हाल में छापेमारी कर कई अवैध सिलेंडर जब्त किए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए PNG जैसी आधुनिक गैस सेवाओं का विस्तार प्राथमिकता है, ताकि आम उपभोक्ताओं को सस्ती, सुरक्षित और निर्बाध ऊर्जा उपलब्ध कराई जा सके।

सिटी गैस परियोजना की प्रगति पर डीसीजीएमसीसी की समीक्षा, 8 अप्रैल से PNG आपूर्ति का लक्ष्य

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) परियोजना की प्रगति एवं समन्वय को लेकर डीसीजीएमसीसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना के वर्तमान क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान PNG (पाइप्ड नेचुरल गैस) आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चल रहे पाइपलाइन बिछाने सहित सभी आवश्यक कार्यों को आगामी 15 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने Indian Oil Corporation Limited के प्रबंधक को कार्य की समयबद्ध पूर्णता के लिए अविलंब ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में बताया गया कि PNG गैस आपूर्ति शुरू करने का लक्ष्य 8 अप्रैल 2026 निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित तिथि तक सभी कार्यों को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गौरव कुमार, नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा, अपर समाहर्ता निशांत सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार इंटर रिजल्ट, कॉमर्स में पटना की बेटियों का दबदबा

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति आज सोमवार को इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा 2026 का रिजल्ट जारी करने जा रही है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार दोपहर 1:30 बजे बिहार बोर्ड ऑफिस में परिणाम घोषित कर दिया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि, 'हम लोगों ने इस साल 2026 में इंटर परीक्षा जारी कर दिया है। सभी परीक्षार्थी रिजल्ट देख सकते है। हम विशेष कर बिहार बोर्ड के अध्यक्ष को बधाई देना चाहते है। बिहार में 8वीं बार देश में सबसे पहले जारी किया गया है।'

पटना की अदिति कुमारी कॉमर्स में टॉपर: बिहार इंटर के कॉमर्स से 7 टॉपर्स में पटना की 5 बेटियों ने बाजी मारी है। पटना की छात्रा अदिति कुमारी ने कॉमर्स संकाय में पूरे बिहार में टॉप किया है। उन्होंने 480 अंक (96%) के साथ पहला स्थान हासिल किया है। अदिति कुमारी पटना के सेंट जेवियर स्कूल, गांधी मैदान की छात्रा हैं। अदिति ने बताया कि जब उन्हें टॉपर्स वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था, तभी उन्हें लगा था कि अच्छे मार्क्स आएंगे। कई दिनों से बिहार बोर्ड के रिजल्ट को लेकर फेक न्यूज़ चल रहे थे। आज सुबह भी जारी होने की बात कही गई थी। उन्हें पहले यह भी फेक लगाया था, मगर फिर उन्होंने बिहार बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर चेक किया और 11:00 से ही रिजल्ट का इंतजार करने लगी

थी। उन्होंने लाइव आनंद किशोर को अनाउंस करते हुए देखा कि वह कॉमर्स की बिहार में टॉपर बनी है।

अदिती का सपना CA बनना है: उन्हें काफी खुशी हुई और वह इसका श्रेय अपने माता-पिता और बड़े भाई को देती हैं। उन्होंने कहा कि वह दिन में 8 घंटे पढ़ाई करती थी। किसी तरह की कोचिंग नहीं ली है। पढ़ाई में कोई कंफ्यूजन होने पर वह यूट्यूब या फिर AI का सहारा लेती थी। उनका सपना है कि CA का बने। उनके पिता की बाकरगंज में स्पेयर पार्ट्स की दुकान है।

नालंदी की निशिका श्री कॉमर्स में तीसरा रैंक लाईं:

अदिति कुमारी ने किया टॉप, कहा- मेरा सपना सीए बनना, नालंदी की निशिका कॉमर्स थर्ड टॉपर

नालंदा की निशिका श्री ने कॉमर्स में थर्ड रैंक हासिल की है। उन्होंने कहा कि जब आनंद किशोर लाइव में टॉपर्स का अनाउंसमेंट कर रहे थे तो कॉमर्स में उन्होंने सिर्फ पहले और दूसरे स्थान पाने वाली छात्रा का नाम लिया था। तीसरा का नाम नहीं लिया था तो, इसीलिए उन्हें लगा कि वह टॉप लिस्ट में शामिल नहीं हुई है। लेकिन बाद में उनके कोचिंग के स्टूडेंट्स ने लिस्ट देखकर उन्हें इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह करीब 6 घंटे पढ़ाई करती थी।

मामा-मामी के साथ रहती हैं निशिका: पटना के ही एक निजी कॉमर्स कोचिंग से उन्होंने अपनी पढ़ाई की है। वह यहां अपने मामा-मामी के साथ रहती हैं। उनके पिता एक रोजगार सेवक और मां नर्स है। उन्होंने कहा कि जब रिजल्ट आया तो उन्होंने सबसे पहले अपने माता-पिता को फोन किया और वह काफी खुश हुए। उनकी मां ने पूरे अस्पताल में मिठाई बांटी है। निशिका का सपना चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने का है। वहीं, पटना की ही माही कुमारी ने 476 अंक (95.60%) हासिल कर दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निशिका श्री ने 475 अंक (95%) तीसरे स्थान पर रहीं।

संक्षिप्त समाचार

कटनी में कोयले का काला कारोबार शासन को हो रहा राजस्व नुकसान

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जबलपुर कटनी मध्य प्रदेशः **कटनी** : जिले में अवैध कोयला कारोबार अब एक संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है, जो खुलेआम और कई ठिकानों से संचालित हो रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध भंडारण और कारोबार किया जा रहा है, जिससे शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार कई गुप्त स्थानों पर भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक रखा गया है, जहां से बिना किसी वैध दस्तावेज के इसकी सप्लाई लगातार जारी है। इससे पहले भी जीएसटी विभाग द्वारा कई बार कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अवैध कारोबार पर कोई रोक नहीं लग पाई है

यमुनानगरःजल संकट पर प्रशासन सख्त, जलापूर्ति का समय बदला गया

लोकतंत्र की शान : **यमुनानगर**। यमुनानगर जिले में बढ़ती जल खपत और गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए प्रशासन ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में अहम बदलाव किया है। उपायुक्त प्रीति के निर्देश पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के साथ विचार-विमर्श के बाद शहर में जल वितरण का समय पुनर्निर्धारित किया गया है, ताकि जल संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता दिनेश गाबा ने सोमवार को बताया कि कई क्षेत्रों में पानी के दुरुपयोग की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। विशेष रूप से नलों को खुला छोड़ने और वाहनों की धुलाई जैसे कार्यों में पेयजल का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा था, जिससे जल संरक्षण के प्रयास प्रभावित हो रहे थे और भू-जल स्तर पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब शहर में पेयजल की आपूर्ति प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 9 बजे तक तथा सायं 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक की जाएगी। इस निर्णय का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में समान रूप से पानी उपलब्ध कराना और अनावश्यक बर्बादी पर नियंत्रण स्थापित करना है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जल संकट की स्थिति से निपटने के लिए केवल प्रशासनिक कदम पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि आमजन की सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे पानी का उपयोग आवश्यकता के अनुसार ही करें और सार्वजनिक व निजी स्थलों पर नलों को व्यर्थ न बहने दें। प्रशासन का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। यदि समय रहते जल के प्रति जिम्मेदारी नहीं दिखाई गई, तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

यमुनानगरःतेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 12 वर्षीय बच्ची की मौत, दो घायल

लोकतंत्र की शान : **यमुनानगर**। यमुनानगर के साढौरा क्षेत्र में रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 वर्षीय बच्ची की जान चली गई, जबकि उसके साथ सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव फाजलपुर के समीप यह दुर्घटना उस समय हुई, जब ताज मोहम्मद अपनी पोती आयशा और बेटी हिना के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी पर सवार होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान आयशा गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि ताज मोहम्मद और हिना को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने आयशा को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जगाधरी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डंपर चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यमुनानगरःघर में घुसकर हमला, तीन गंभीर रूप से घायल

लोकतंत्र की शान : **यमुनानगर**। यमुनानगर के गांव खारवन में आपसी विवाद के चलते कुछ लोगों द्वारा एक घर में जबरन प्रवेश कर परिवार के सदस्यों पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में दंपति समेत एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता रोहित ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया कि उसका गांव के ही एक व्यक्ति के साथ कुछ दिन पूर्व विवाद हुआ था, जिसे उस समय ग्रामीणों के हस्तक्षेप से शांत करा दिया गया था। हालांकि, इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बना रहा। बताया गया है कि दो दिन पहले जब रोहित अपने घर पर पत्नी अनु और मां बबीता के साथ मौजूद था, तभी आरोपित पक्ष के लोग एकजुट होकर उसके घर में घुस आए। आरोप है कि उन्होंने आते ही अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर जब परिवार की महिलाएं बीच-बचाव के लिए आगे आईं, तो उनके साथ भी हिंसक व्यवहार किया गया। घटना के दौरान हमलावरों ने घर में खड़ी कार को भी नुकसान पहुंचाया और परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद घायल अवस्था में तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। थाना सदर जगाधरी पुलिस ने सोमवार को इस संबंध में चार नामजद व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री का सरकार पर हमला, बोले- प्रदेश में हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात

लोकतंत्र की शान : **जयपुर**। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में अव्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान स्थापित मजबूत और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य मॉडल को वर्तमान सरकार द्वारा कमजोर किया जा रहा है, जिससे आमजन को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपनी पोस्ट में गहलोत ने कहा कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत निजी अस्पतालों के बकाया भुगतान नहीं होने से एक बार फिर संकट की स्थिति बन गई है।

धुआंवल देवी मंदिर में उमड़ रही भक्तों की भीड़

» चैत्र नवरात्रि पर चल रहा पूजा अनुष्ठान एवं भंडारा

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले के नगर क्षेत्र मझौली के वार्ड क्रमांक 14 स्थित धुआंवल देवी (धूमावती) मंदिर मझौली अस्पताल की पीछे सदियों से लोक आस्था का केंद्र रहा है जहां चैत्र नवरात्रि के अवसर पर विगत 19 मार्च से अखंड दुर्गा चालीसा पाठ एवं रामचरितमानस पाठ जारी है जिसका समापन 27 मार्च को किया जाएगा एवं उसी दिन हवन भंडारा का कार्यक्रम निर्धारित है। मंदिर के पुजारी रमेश चतुर्वेदी जो नवरात्रि के अवसर पर 9 दिनों तक अखंड उपवास के साथ सीने में एवं सिर में जवारे उगाए हैं और उन्हीं जवारे को रामनवमी के दिन देवी को चढ़ाएंगे।भक्तों के मुताबिक मंदिर के पुजारी 9 दिन तक निराहार रह कर पूजा करने का अनुष्ठान किए हैं और यह देवी माता का चमत्कार कहें या आशीर्वाद कहा जाए क्योंकि धूप के महीना में बिना अन्न जल के नौ दिनों का अनुष्ठान पूर्ण करना देवी माता की कृपा से ही संभव हो पाता है।

लगी रहती है भक्तों की भीड़

शारदीय नवरात्रि एवं चैत्र नवरात्रि के अलावा भी हर समय उक्त मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रहती है और लोग अपना कष्ट लेकर आते हैं देवी माता के शरण में गुहार लगाते हैं यह श्रद्धा कहा जाय या कि देवी माता की महिमा उनके कष्ट भी दूर होते हैं जिस कारण दिनों दिन लोगों की आस्था भी बढ़ती जाती है और देवी माता के नित नए चमत्कार भी देखने को मिलते हैं।मंदिर के पुजारी रमेश चतुर्वेदी ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि 27 मार्च को भंडारे में शामिल होकर सहयोग एवं प्रसाद ग्रहण करें। साथ ही उन्होंने कहा कि वह जो कुछ भी कर रहे हैं वह देवी माता की प्रेरणा से करते हैं एवं क्षेत्र के खुशहाली के लिए कामना करते हैं।

स्लीमनाबाद पुलिस को गुमशुदा नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त हुई

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ कटनी जबलपुर मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक महोदय जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा अपहृत बालक/बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय संतोष डेहरिया एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी स्लीमनाबाद सुदेश कुमार के नेतृत्व में थाना स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा थाना स्लीमनाबाद के अप. क्र. 119/2026 धारा 137(2) बी. एन. एस. के मामले की गुमशुदा नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया दस्तयाबी उपरांत नाबालिग बालिका को उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया भूमिका – इस सम्पूर्ण कार्यवाही में निरी सुदेश कुमार, उ नि संतोष बडगैया, सउनि मानकी धुर्वे, मआर रचना सिंह, आर सौरभ पटेल की मुख्य भूमिका रही।

जीवन की पूंजी संस्कार और संस्कृति हैः पं. बाला व्यंकटेश

लोकतंत्र की शान, (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। कथा प्रसंग को आयाम देते हुए व्यास पं बाला व्यंकटेश महराज वृन्दावनोपासक जी ने अपने उपस्थित भक्तों को बताया कि राधा रानी सूर्यवंश में और प्रभु श्रीकृष्ण चन्द्र वंश में प्रकट हुए हैं। इसी क्रम में व्यास जी ने कहा कि बांके बिहारी की परिधि में 40 बिहारी हैं। अतएव राधा रानी के साथ-साथ तिपासा वन का अवश्य दर्शन करें। कथा प्रसंग को बढाते हुए कथा प्रवक्ता ने बताया कि जब लाला का जन्म होना था तब नंदबाबा के यहां सुनंदा आई और जैसे ही किलकारी सुनाई दी बाबा ने उनको नौलखा हार दे दिया। इसके पश्चात संस्कार और संस्कृति के रक्षा की चिन्ता व्यक्त करते हुए महराज जी बताये कि हमारे प्रभु का जब प्रगटोत्सव हुआ तब सभी देवी देवता दर्शन करने आये।कथा प्रसंगानुसार आपने यह भी कहा कि उस बीच कन्हैया का दर्शन शनि देव को छोड़कर सबको मिला। कथा के पूर्व व्यास पीठ की पूजा अर्चना भोला सिंह बघेल, समरजीत सिंह बघेल, विनोद सिंह बघेल तथा प्रमोद सिंह बघेल सपरिवार आदि भक्तों ने किया। कथा में बधाई गीत होते रहे और भावुक रसज्ञ श्रोतागण कन्हैया के बाललीला के भजन में झूमते नाचते हुए आनंदित होते रहे। कथा प्रसंग को रोचक और मोहक के साथ साथ पं. बालाव्यंकटेश महराज जी ने कहा कि जो निष्ठा और समर्पण के साथ भगवान के शरण में जाता है उससे आगे आकर भगवान किसी न किसी रूप में दर्शन देता है और जब इन नेत्रों को भगवान के दर्शन हो जाते हैं तब जन्म जन्मांतर के महापाप धुल जाते हैं। आज की संगीतमय कथा में अतिथि भक्तों में से डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस कवि, अंजनी सिंह सौरभ गीतकार, श्रीमती कुमुदिनी सिंह तथा भारी संख्या में भक्तगण पत्रकार अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण कर लेते तो आम जनता का होता भला : ज्ञान सिंह

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सीधी जिले के औचक निरीक्षण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अपने नेताओं के दबाव में कलेक्टर को हटाना तो आसान है, लेकिन यदि मुख्यमंत्री वास्तव में जनहित और प्रशासनिक व्यवस्था की सच्चाई जानने के उद्देश्य से जिले में आए थे, तो उन्हें जिले के एकमात्र शासकीय जिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण अवश्य करना चाहिए था। ज्ञान सिंह ने आरोप लगाया कि जिला चिकित्सालय की स्थिति अत्यंत दयनीय और चिंताजनक है। अस्पताल में डॉक्टरों, दवाइयों, बेड और नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी बनी हुई है। मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, एक्स-रे रिपोर्ट तक की प्रतियां मोबाइल से फोटो खींचकर दी जा रही हैं, जो स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में खुलेआम आवारा पशु घूमते नजर आते हैं, साफ-सफाई का अभाव है और पार्किंग के नाम पर आम जनता से खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। इन अव्यवस्थाओं के वीडियो कई बार सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं। ज्ञान सिंह ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि वे वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह होते, तो मुख्यमंत्री को जिला चिकित्सालय की जमीनी हकीकत दिखाने का साहस करते। लेकिन उन्होंने ऐसा करना उचित नहीं समझा, जिससे साफ जाहिर होता है कि वे जनता की समस्याओं से पूरी तरह कट चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के 22 वर्षों के शासनकाल में जिला चिकित्सालय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यदि मुख्यमंत्री स्वयं अस्पताल का निरीक्षण करते, तो संभवतः इस जर्जर स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की कोई उम्मीद बन सकती थी और जिले की गरीब, अनुसूचित जाति-जनजाति एवं आदिवासी जनता को राहत मिलती। ज्ञान सिंह ने आरोप लगाया कि जिला चिकित्सालय आज कमीशनखोरी और लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है, जहां आम जनता की पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न तो मुख्यमंत्री को आम जनता की चिंता है और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को, जिससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

गांव में घुसा एक दर्जन हाथियों का झुंड

» एकड़ भर से अधिक फसल को किया नष्ट

» ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों की मदद से खदेड़ा

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले के पोड़ी रेंज अंतर्गत आगरझिरिया बीट के ग्राम गांजर में रविवार रात करीब 10 बजे अचानक हाथियों का झुंड घुस आया, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। रातभर चले इस घटनाक्रम ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी और सुबह तक दहशत का माहौल बना रहा। मिली जानकारी के अनुसार करीब एक दर्जन हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश कर गया और खेतों में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान 8 किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। खास तौर पर दीपक यादव पिता मथुरा यादव के करीब 4 खेतों में लगी लगभग 1 एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। हाथियों ने सिर्फ फसल ही नहीं रौंदी, बल्कि सिंचाई के लिए लगाए गए मोटर पाइप को भी तोड़ दिया, जिससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है। इस घटना की सूचना मिलते ही गांव के ही रमेश मिश्रा पिता वीरबल मिश्रा अपने घर के पास पहुंचे तो हाथी उनके घर में रखे अनाज को निशाना बना ही रहे थे तब तक और ग्रामीणों के साथ मिलकर हल्ला-गोहार मचाया। ढोल-नगाड़े बजाकर और शोर मचाकर हाथियों को किसी तरह जंगल की ओर भगाया गया, जिसके बाद गांव वालों ने राहत की सांस ली।

बढ़ती जा रही वन्य जीवों की आवाजाही

बताया यह भी जा रहा है कि इस क्षेत्र के जंगलों में हाथियों सहित वन्य जीवों की आवाजाही पहले से बनी हुई है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में एक साथ गांव में घुसने की घटना ने लोगों को डरा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते हाथियों को नहीं भगाया जाता, तो जनहानि भी हो सकती थी। इस मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

इनका कहना है। इस इलाके में हाथियों का मूवमेंट बना रहता है और टीम लगातार नजर रखे हुए है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी स्थिति में हाथियों के करीब न जाएं, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचना दें।राजेश कन्ना टी, डीएफओ संजय टाइगर रिजर्व सीधी।

महान शहीदों की बदौलत ही हम स्वतंत्र भारत में ले रहे हैं सांसः कृष्ण कुमार शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को शहीद दिवस पर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं ने हसनपुर के अतरासी अड्डे पर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन,पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता शहीद दिवस कार्यक्रम मनाने के लिए हसनपुर नगर के अतरासी अड्डे पर इकट्ठा हुए। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि आज के दिन सन 1931 में लाहौर जेल में सरदार भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को फांसी दी गई थी। आज उन अमर शहीदों को नमन करने का दिन है। आगे कहा कि जब उन्हें फांसी के फंदे पर ले जाया जा रहा था तब वो निडरता पूर्वक इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। ऐसे बलिदानियों की बदौलत ही हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम महान शहीदों के सपनों का भारत बनाने में योगदान देंगे और उनके आदर्शों पर चलकर देश से गरीबी, अशिक्षा, अन्याय जैसी बुराइयों को मिटाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करेंगे।इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह , राजेंद्र सिंह, सुदेश चौहान, राजू चौहान, त्रिलोकी सिंह,खिलेंद्र सिंह, मनवीर सिंह, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में एडीएम ने सुनी फरियादियों की फरियाद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन नगर की नवीन तहसील के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया, इस दौरान फरियादियों की फरियाद अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह द्वारा सुनी गई, समाधान दिवस में 9 शिकायतें दर्ज की गई जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, वही प्राप्त शिकायत में राजस्व विभाग की दो, पुलिस विभाग की तीन, विद्युत विभाग की दो तथा अन्य विभागों की दो शिकायतो सहित 9 शिकायतें प्राप्त हुई, अपर जिला अधिकारी ने अधीनस्थ अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए की जन समस्याओं को निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, वहीं पिछले शनिवार के लंबित मामलों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटने के आदेश दिए गए इस मौके पर एसडीएम हिमांशु उपाध्याय, पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी, नायब तहसीलदार मनोज कुमार, खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना, सप्लाई इंस्पेक्टर मोहित कुमार, वन दरोगा अमित चौहान आदि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिकायत पुस्तिका गायब, हवा-पानी की भी नहीं मिलती सुविधा

» उपभोक्ताओं की समस्याओं की होती है अनदेखी

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

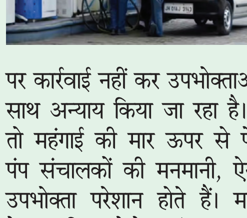

सीधी। नियम के अनुसार पेट्रोल-डीजल क्रय करने हेतु पंप पर आने वाले वाहनों में निःशुल्क हवा भरने, शुद्ध पेयजल और शिकायत पुस्तिका की सुविधा प्राप्त करना उपभोक्ताओं का अधिकार है। पंप संचालक कंपनियों के साथ होने वाले अनुबंध में उपभोक्ताओं को सुविधाएं मुहैया कराए जाने का वादा करते हैं। यह बात अलग है कि उनके द्वारा व्यावहारिक रूप से ऐसा बिल्कुल नहीं किया जाता। उपभोक्ताओं को सुविधा दिलाने का वादा करके पेट्रोल पंप खोलने वाले संचालकों ने सारे नियमों की धज्जियां उड़ा रखी हैं। 90 प्रतिशत पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाएं पूरी तरह से नदारद है। इसके बावजूद कंपनियों द्वारा अपने डीलरों पर कार्रवाई नहीं कर उपभोक्ताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। एक तो महंगाई की मार ऊपर से पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानी, ऐसे में उपभोक्ता परेशान होते हैं। मानकों के मुताबिक पेट्रोल पंप पर वाहन की मुफ्त में हवा जांच और भरवाने की सुविधा के साथ शुद्ध पेयजल तथा प्रसाधन जैसी अति आवश्यक सुविधा उपभोक्ता को दी जानी होती है, लेकिन शहर के किसी भी पंपों पर उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सुविधा पूरी तरह से बंद है। मानकों को ताक में रख पंप संचालक व कंपनी के अधिकारी मौज में है। लाइसेंस प्रथा बंद होने के बाद कंपनी का दायित्व बनता है कि वह पंप संचालकों को सुविधाओं के नाम पर खानापूर्ति करने से रोकें तथा उपभोक्ताओं का ध्यान रखें। ऐसे में सुविधाविहीन पंपों पर कंप्रेशर और हवा भरवाने के उपकरण तक नहीं हैं, अगर किसी पंप पर है भी तो वह शो पीस के रूप में उपलब्ध है। इसी प्रकार पेयजल व शौचालय की सुविधा से भी उपभोक्ता वंचित हैं तथा शहरी क्षेत्र के तमाम पेट्रोल पंपों पर जन सुविधाएं नदारद हैं। पेट्रोल पंप पर जहां शौचालय बने हैं, उनमें गंदगी की भरमार है या शौच जाने लायक स्थिति में नहीं है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी से महिलाओं को दो-चार होना पड़ रहा है।

मिलावट से भी अछूते नही पेट्रोल पंप

पम्प संचालकों की मनमानी का एक और उदाहरण देखने में आ रहा है, जिसमें बेहताशा मूल्यवृद्धि से जुझ रहे उपभोक्ता को मिलावटी ईंधन डाला जा रहा है। वहीं अनेक पंपों पर नाप में गड़बड़ी कर पेट्रोल-डीजल कम नापने के शिकायत भी आम हो गई है। इससे उपभोक्ता पर तिहरी मार पड़ रही है, लेकिन उपभोक्ता इस मार से तिलमिला रहा है परंतु वह यह समझ नहीं पा रहा है कि शिकायत किससे करें। क्योकि कंपनी के अधिकारी आम उपभोक्ता की सुनते नहीं। ग्रामीण अंचल के लोग तो नियमों की जानकारी नहीं होने पर कभी सुविधाओं की मांग ही नहीं करते और दुकान पर शुल्क अदा कर हवा भरवा लेते हैं, लेकिन शहरी और नियमों के जानकार जब हवा भरने की मांग करते हैं तो उन्हें भी तरह-तरह के बहाने बना दिए जाते हैं। इन्हीं कारणों के चलते पेट्रोल पंपों पर विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। शहर के पेट्रोल पंपों पर शायद ही ऐसा कोई दिन होता होगा, जब सुविधाओं को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित नहीं होती है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में 136 करोड़ का क्रिप्टो कारोबार करने में एक भारतीय सहित तीन गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में 136 करोड़ रुपये से अधिक क्रिप्टो करेंसी का अवैध कारोबार करने के आरोप में अपराध जांच शाखा ने काठमांडू से एक भारतीय नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। काठमांडू के पुलिस प्रवक्ता एसपी पवन भट्टराई ने बताया कि सबसे पहले एक महिला दीप्ति पोखरेल को 15 लाख 30 हजार रुपये नकद सहित गिरफ्तार किया। इन पैसों की जांच करने पर बड़े पैमाने पर क्रिप्टो कारोबार का खुलासा हुआ। पोखरेल से पूछताछ के बाद दो और लोगों की गिरफ्तारी सोमवार को हुई। गिरफ्तार किए गए लोगों में भारतीय नागरिक प्रवेश अली और बांके जिला के नरेश रेउले शामिल हैं। जांच के दौरान उनके मोबाइल में Binance आईडी पाई गई, जिसमें कुल 136 करोड़ 80 लाख 45 हजार 580 रुपये के बराबर का लेन-देन दर्ज मिला। पुलिस ने बताया कि क्रिप्टो कारोबार का जाल नेपाल से लेकर भारत और खाड़ी देशों तक जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए जिला प्रहरी परिसर, काठमांडू भेज दिया गया है।

जम्मू यूनिवर्सिटी में जिन्ना से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश, अल्पसंख्यकों का नेता बताया

जम्मू। जम्मू यूनिवर्सिटी में एमए पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस से मोहम्मद अली जिन्ना, सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद इकबाल से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश विभागीय मामलों की समिति (DAC) ने की है। अब इस पर अंतिम फैसला 24 मार्च को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में होगा। उधर, कांग्रेस का कहना है कि सिलेबस को लेकर विवाद जानबूझकर खड़ा किया जा रहा है। पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस में 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' पेपर के तहत जिन्ना के राजनीतिक विचार शामिल किए गए थे, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने शनिवार को यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर इन टॉपिक्स को हटाने की मांग की थी। संगठन ने कहा कि अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय भावनाओं और ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी नहीं हो सकती। ABVP के जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव सन्नक श्रीवत्स ने बताया कि पहले जिन्ना का जिक्र 'टू-नेशन थ्योरी' के संदर्भ में होता था, जहां उन्हें विभाजन की सोच से जोड़ा जाता था। अब संशोधित सिलेबस में उन्हें 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' के तहत अल्पसंख्यकों के नेता के रूप में पेश किया गया है, जिस पर आपत्ति जताई जा रही है।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट, पेट्रोल पंप पर चला रहा था पंचर की दुकान, सैनिकों के फोटोज भेजता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गैंग के मेंबर नौशाद अली उर्फ लालू को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नौशाद पेट्रोल पंप पर तीन महीने से पंचर बनाने की दुकान चला रहा था। नौशाद रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के फोटो वीडियो बनाता था और उसे व्हाट्सएस ग्रुप्स के जरिए पाकिस्तान भेजने का काम करता था। इसके लिए एक फोटो पर उसे 4 से 6 हजार रुपए मिलते थे। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी तक इसमें गैंग के सरगना मेरठ के सुहेल सहित 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने नौशाद के अलावा औरंगाबाद की मीरा को अरेस्ट किया है। एक आरोपी नाबालिग है। तीनों ने बताया कि सुहेल ने ही हमें ग्रुप में जोड़ा था। गाजियाबाद पुलिस की जांच में पता चला कि ये लोग रेलवे स्टेशन और सुरक्षा बलों के ठिकानों की फोटो और वीडियो बनाकर कुछ लोगों को भेजते थे और इसके बदले उन्हें पैसे मिलते थे। इस गैंग का देशभर में करीब 50 सोलर कैमरे लगाने का प्लान था। दिल्ली-हरियाणा के रेलवे स्टेशनों पर कैमरे लगा भी दिए थे। पुलिस ने दोनों स्थानों के कैमरे रिकवर करते हुए जांच शुरू कर दी है। इन कैमरों को फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। दिल्ली और सोनीपत में लगाए गए कैमरों का एक्सेस पाकिस्तान में था। यानी इनके सीधी वीडियो पाकिस्तान में देखी जा रहीं थी।

हिमाचल में महंगा होगा पेट्रोल-डीजल, 5 तक प्रति लीटर बढ़ेंगी कीमतें, अनाथ-विधवाओं के लिए सेस लगाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश की जनता के साथ साथ पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली समेत देश के सभी राज्यों से पहाड़ों की सैर पर आने वाले टूरिस्ट पर भी महंगाई की मार पड़ने वाली है। हिमाचल सरकार ने आज (सोमवार को) विधानसभा में पेट्रोल-डीजल पर 'अनाथ-विधवा सेस' लगाने का निर्णय लिया है। इसके लिए, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर (संशोधन) विधेयक, 2026 विपक्ष के विरोध के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया है। सरकार का तर्क है कि अनाथ बच्चों और विधवाओं के लिए रेगुलर इनकम जरूरी है। इसके ईंधन पर 'अनाथ और विधवा सेस' लगाया जा रहा है। अब इस विधेयक को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही यह कानून बन कर लागू हो जाएगा। इसके बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अधिकतम 5 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि तय है। सदन में आज इस विधेयक पर चर्चा हुई। इस दौरान बीजेपी ने 5 रुपए बढ़ौतरी का विरोध किया। बीजेपी विधायक रणधीर शर्मा ने सदन में कहा कि पहले ही पेट्रोल बहुत महंगा है। 5 रुपए ओर सेस लगाकर पेट्रोल 100 से ऊपर और डीजल 90 रुपए के आसपास पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इतना सेस लगाना तर्क संगत नहीं है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जैसी बात पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार कर रही है, वैसी ही बात हिमाचल में बीजेपी भी कर रही है। उन्होंने कहा- अनाथ एवं विधवाओं के लिए लगाए गए सेस का विरोध गलत है। हिमाचल बीजेपी नेता केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करवाए। बता दें कि सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बीते शुक्रवार को ही यह विधानसभा में पेश कर दिया था। आज इसे चर्चा के बाद पारित किया गया। हालांकि, सरकार का दावा है कि सेस की वलूसी पेट्रोल-डीजल सोर्स संचालकों से की जाएगी।

मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैंः शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैं। दिन-रात काम करना और उनकी परिश्रम की परिकाष्ठा ने इसका एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है कि मन गर्व और आनंद से भर जाता है। शिवराज ने भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी प्रधानमंत्री बने और इसके बाद देश के विकास के एक नए युग का प्रारंभ हुआ। मोदी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। वो राष्ट्र के आराधक और जनता के सेवक हैं। यही उनके कार्यों की मूल प्रेरणा है। बीते दिनों की यादें ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन उनकी माताजी का स्वर्गवास हुआ था, बेहद सादगीपूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार संपन्न हुआ और हमने देखा कि जो प्रधानमंत्री मोदी का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था और वो रेलवे के उस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर झंडी दिखा रहे थे। ये अपने आप में अद्भुत घटना है। उन्होंने कहा कि साल 2011, 2012, 2013 के वो काले दिन थे, जब चारों तरफ घोटालों का शोर सुनाई पड़ता था। बेइमानी, भ्रष्टाचार घोटाले सब चरम सीमा पर थे। उन दिनों भ्रष्टाचार ही देश की पहचान बन गई थी। जनता हताश और निराश थी। निराशा के इस अंधकार में आशा और विश्वास के प्रतीक बनके निकले मोदी। देश में चारों तरफ सिर्फ मोदी-मोदी। शिवराज ने कहा कि एक जमाना था, जब निवेशकों को कहा जाता था कि गुजरात मत जाना। गुजरात कभी भयानक सूखे से जूझता था। नर्मदा का जल समुद्र में बह जाता था और सरदार सरोवर डैम वर्षों तक राजनीति में अटका रहा। फिर मोदी ने गुजरात के कायाकल्प का संकल्प लिया। उन्होंने प्रण लिया कि कैसे नर्मदा के पानी गुजरात की जनता के सूखे कंठों की प्यास बुझाए और कैसे खेतों में फसल लहलहाए। उन्होंने कहा कि वे मोदी को 35 वर्षों से जानते हैं। वे भारत माता के सच्चे उपासक और राष्ट्र के आराधक हैं।

ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को 5 दिनों के लिए टाला

एजेंसी, नई दिल्ली

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की अपनी योजना को सोमवार को पांच दिनों के लिए स्थगित करने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका की ईरान के साथ अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है और वह अपनी सेना को ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी तरह के सैन्य हमले को टालने का आदेश देंगे।

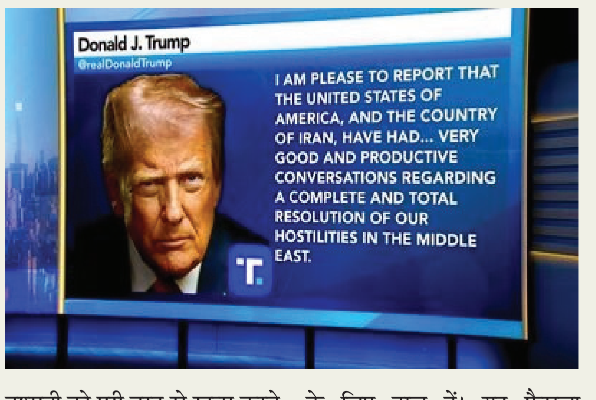

ट्रंप ने कहा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों में मध्य-पूर्व में हमारी आपसी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले सभी सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दें। यह फैसला चल रही बैठकों और चर्चाओं की सफलता पर निर्भर करेगा।" ट्रंप का यह संदेश 48 घंटे की उस समय सीमा के खत्म होने पर आया है, जो उन्होंने ईरान पर लगाई थी। इस समय सीमा के तहत ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाज़ों के सुरक्षित गुज़रने की अनुमति देनी थी, या फिर अपने पावर प्लांट पर हमलों का सामना करना पड़ता जो कि एक बड़ा टकराव साबित हो सकता था।

ट्रंप ने रविवार को धमकी थी कि अगर ईरान की तरफ से जहाजों पर की जा रही गोलाबारी के कारण होर्मज जलडमरूमध्य बंद रहता है तो अमेरिका 48 घंटों के भीतर ईरान के पावर प्लांट को निशाना बनाएगा। उनके अल्टीमेटम की समय सीमा आज समाप्त हो रही थी। ट्रंप की धमकी के जवाब में ईरान ने पूरे खाड़ी क्षेत्र और इजराइल में ऊर्जा एवं तेल संयंत्रों पर हमला करने की घोषणा की थी। ईरान ने यह भी कहा था कि वे उस जलमार्ग को भी पूरी तरह से बंद कर देंगे जिससे दुनिया के कुल तेल का पांचवां हिस्सा गुजरता है।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से सेंट पीटर्सबर्ग हवाई अड्डे पर 100 से ज्यादा उड़ानें रद्द की गईं

एजेंसी, मॉस्को

करीब चार साल से जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के ड्रोन हमले के कारण सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो हवाई अड्डे से 100 से ज़्यादा उड़ानें को रद्द कर दी गईं या उनमें देरी हुई। यहां से 39 उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों पर भेज दिया गया है और 34 उड़ानों में दो घंटे से ज़्यादा की देरी हुई है। इसके साथ ही जाने वाली 30 रद्द उड़ानों के यात्रियों को हवाई अड्डे के टर्मिनल में न रुकने को कहा गया है।

सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो एयरपोर्ट ने सोमवार को बताया कि पिछले एक दिन में यूक्रेन के ड्रोन हमले की वजह से 100 से ज़्यादा उड़ानें या तो रद्द कर दी गईं या उनमें देरी हुई। एयरपोर्ट की प्रेस सर्विस ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि पुलकोवो एयरपोर्ट लगभग आठ घंटों से हवाई क्षेत्र की पाबंदियों के तहत काम कर रहा है। यह भी बताया गया कि 30 जाने वाली उड़ानें भी रद्द कर दी गईं और रद्द हुई उड़ानों के यात्रियों को एयरपोर्ट टर्मिनल में न रुकने से मना किया गया है। इन रुकावटों से यूक्रेन के ड्रोन अभियान की बढ़ती

पहुंच का पता चलता है, जो युद्ध के मोर्चे से दूर रूसी बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। इस बीच, सेंट पीटर्सबर्ग के आस-पास के लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर ने एक अलग बयान में कहा कि शहर की ओर आते हुए 60 से ज़्यादा यूक्रेन के ड्रोन मार गिराए गए। इस हमले में बिजली की लाइनें और एक तेल डिपो क्षतिग्रस्त हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रात भर में पूरे देश में 250 से ज़्यादा ड्रोन मार गिराए गए। यूक्रेन ने अभी तक रूस के इन दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ये ड्रोन हमले यूक्रेन की उस लगातार रणनीति का हिस्सा हैं, जिसके तहत वह रूसी ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिम बंगाल-असम में भाजपा की जीत तय

तमिलनाडु में भी राजग सत्ता में आएगा

एजेंसी, बागलकोट

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ेगा, जबकि असम में भाजपा फिर से सत्ता में आएगी। इसके अलावा, उन्होंने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने का भी भरोसा जताया।

कर्नाटक के बागलकोट विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार वीरन्ना चरंतीमठ के समर्थन में आयोजित रोड शो के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस राज्य में भी भाजपा के पक्ष में माहौल बन रहा है

और पार्टी उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में "कट्टरपंथियों का खेल" समाप्त हो रहा है। साथ ही कर्नाटक में "तुष्टिकरण की राजनीति" खत्म करने की जरूरत बताते हुए लोगों से कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने का आह्वान किया। कहा कि चुनावों में भाजपा के पक्ष में लहर दिखाई दे रही है और जनता का समर्थन पार्टी के लिए मजबूत आधार बनेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाएं और सरकार के विकास कार्य भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे।

ईरान ने बातचीत से किया साफ इनकार

लोकतंत्र की शान

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत (Negotiation) से सीधा इनकार कर दिया है, जिससे हालात और ज्यादा गंभीर हो गए हैं।

हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान के साथ "अच्छी और सकारात्मक बातचीत" चल रही है, लेकिन ईरान ने इस दावे को पूरी तरह झूठा बताया।

ईरान का सख्त बयानः- ईरान के अधिकारियों ने स्पष्ट कहाः

अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है

ट्रंप के बयान बाजार और दुनिया को शांत करने की कोशिश हैं

ईरान दबाव या धमकी में आकर कोई समझौता नहीं करेगा

MarketWatch- ईरान का कहना है कि जब तक उस पर सैन्य दबाव और हमले जारी हैं, तब तक बातचीत का सवाल ही नहीं उठता।

ایران اینترنشنال | Iran International

क्यों ठुकराई बातचीत?

ईरान के इनकार के पीछे कई बड़े कारण बताए जा रहे हैं:

सैन्य दबाव- अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे ईरान खुद को खतरे में मानता है।

कठोर शर्तें- ईरान का आरोप है कि अमेरिका ऐसी शर्तें रख रहा है जो उसकी संप्रभुता (sovereignty) के खिलाफ हैं।

तेल और रणनीतिक दबाव- होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को लेकर टकराव बढ़ गया है, जो दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद अहम है।

The Guardian:- दुनिया पर असर- ईरान के इस फैसले का असर सिर्फ दोनों देशों तक सीमित नहीं हैः

- तेल की कीमतों में उछाल
- वैश्विक बाजार में अनिश्चितता
- युद्ध का खतरा बढ़ा
- कई देशों की अर्थव्यवस्था पर असर

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, हालात 1970 के तेल संकट जैसे बन सकते हैं।

क्या आगे होगा- अमेरिका ने फिलहाल हमले को कुछ दिनों के लिए टाल दिया है

लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है

मध्यस्थ देशों (जैसे ओमान, तुर्की) की कोशिशें जारी हैं

निष्कर्ष- ईरान का साफ संदेश हैः "धमकी के माहौल में कोई बातचीत नहीं" इस इनकार ने यह संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में स्थिति और बिगड़ सकती है, और दुनिया एक बड़े संघर्ष की ओर बढ़ सकती है। अगर चाहो तो मैं इसे और आसान भाषा में 5 पॉइंट में समझा दूं या पूरा बैकग्राउंड (ईरान-अमेरिका विवाद) भी बता सकता हूँ।

बेकाबू टैंकर ने 7 लोगों को रौंदा, 3 की मौत

एजेंसी, झज्जर

हरियाणा के झज्जर में सोमवार की दोपहर एक कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की शुरुआत मामा चौक से हुई। पहले टैंकर ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को कुचला। इसके बाद भी ड्राइवर नहीं रुका और तेज गति से सेक्टर-9 की तरफ कैंटर दौड़ा दिया। इसी भागमभागम में कई और लोगों को भी चपेट में ले लिया।

इनमें एक और बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि चपेट में आकर ऑटो सवार महिला समेत चार घायल हो गए। इसके बाद बेकाबू कैंटर फ्लाईओवर के दो पिलर के बीच फंस कर रुक गया तो ड्राइवर कूदकर कर फरार हो गया। हादसे के बाद सड़क पर अफरातफरी मच गई। पुलिस के आने तक शव सड़क पर ही पड़े रहे। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया और लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने देर शाम आरोपी चालक को राउंडअप कर लिया है।

मामा चौक पर हुआ हादसा, पहले 2 युवकों को मारी टक्करः जानकारी अनुसार, हादसा बहादुरगढ़ में दिल्ली-रोहतक रोड पर स्थित आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र (MIE) के मामा चौक पर सोमवार की दोपहर हुआ। चौक की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर (HR-63E-4325) ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पहले हादसे के बाद ड्राइवर रुका नहीं, बल्कि पकड़े जाने के डर से कैंटर को और तेज भगाते हुए सेक्टर-9 की तरफ ले गया। यहां कैंटर ने एक मोटरसाइकिल को रौंद दिया। इस हादसे में कानोंदा निवासी योगेंद्र (30) की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा प्रवीण गंभीर पुत्र रामकुमार रूप से घायल हो गया।

ऑटो को मारी टक्कर, महिला सहित 3 चपेट में आएः इसके बाद बेकाबू कैंटर ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। ऑटो में सवार लाइनपार निवासी प्रेम (महिला), उनके पति कृष्ण और ड्राइवर जयवीर घायल हो गए। कई लोगों ने इधर-उधर भाग कर अपनी जान बचाई। हादसे के बाद सड़क पर अफरा तफरी मच गई। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायल लोगों को उठाकार बहादुरगढ़ सिविल अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अशोक (32) निवासी छपरा (बिहार) और शंभू (22) निवासी छपरा (बिहार) और हरियाणा के कानोंदा निवासी योगेंद्र (30 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया। महिला प्रेम को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। उधर, ऑटो में टक्कर मारने के बाद भी ड्राइवर कैंटर को दौड़ाता रहा। ड्राइवर तेज रफ्तार से नजफगढ़ फ्लाईओवर की ओर बढ़ा, लेकिन कैंटर अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर के नीचे दो पिलर के बीच फंस गया। इसके बाद ड्राइवर कैंटर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

> ♦ सड़क पर बिखरीं लाशें, फ्लाईओवर के 2 पिलर के बीच फंसकर रुका

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज की छत ढही, मलबे में दबकर चार मजदूरों की मौत

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित एक कोल्ड स्टोरेज की धमाके के साथ छत ढहने से चार मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। यह कोल्ड स्टोरेज समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का है।घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

घटना के संबंध में जिलाधिकारी वर्म ने बताया कि लखनऊ रोड पर चांदपुर गांव के सामने आदर्श कोल्ड स्टोर है। सोमवार दोपहर कोल्ड स्टोरेज में मजदूर आलू रखे रहे थे। इसी बीच स्टोरेज का एक हिस्सा भराभराकर गिर गया, जिसकी वजह से अमोनिया गैस का पाइप फट गया। छत के मलबे में कई मजदूर मलबे में दब गये। उन्होंने बताया कि सूचना

मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने राहत बचाव कार्य कर मलबे से दबे सभी को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हुई है, इनकी पहचान बिहार के रहने वाले ज्योतिष (32), प्रयागराज के फाफामऊ स्थित मलाका के चंदापुर गांव निवासी जगदीश, बिहार के मसिंदर और सनोज के रूप में हुई हैं। इसके अलावा अमरजीत, बच्चा कार्तिक समेत 15 घायल हुए हैं। बताया गया कि हादसे के वक्त वहां 120 लोग मौजूद थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच खाड़ी देशों में नेपाली मजदूरों के सामने संकट गहराया

एजेंसी, काठमांडू

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच खाड़ी देशों में काम करने वाले हजारों नेपाली श्रमिक अपनी आजीविका और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे नेपाली श्रमिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने और अत्यंत आवश्यक न हो तो वहीं रहने की अपील की है। नेपाल के बुटवल निवासी 27 वर्षीय विवेक महत को दोस्तों ने कतर न लौटने की सलाह दी थी, लेकिन इसके बावजूद वे दो बार यात्रा रद्द होने के बाद फिर से जाने की तैयारी कर रहे हैं। महत ने कहा कि मुझे न जाने की सलाह दी गई, लेकिन मुझे अपनी नौकरी खोने का डर है। अगर मैं यहां बिना आय के रहूं, तो मेरे पास क्या विकल्प है? कतर के एक होटल में शेफ के रूप में काम करने वाले महत लगभग 2 लाख रुपये मासिक कमाते हैं। अमेरिका, इज़राइल और

ईरान के बीच बढ़ते तनाव से पहले वे कुछ समय के लिए घर लौटे थे। शुरुआती डर के बावजूद उन्होंने कहा कि परिवार के लिए आय के एकमात्र भरोसेमंद स्रोत को खोना उनके लिए संभव नहीं है। खाड़ी देशों में काम करने वाले कई अन्य नेपाली लोग भी मानते हैं कि आर्थिक स्थिरता के लिए विदेश में काम करना ही एकमात्र व्यवहारिक विकल्प है, क्योंकि नेपाल में कड़ी मेहनत के बावजूद बचत के अवसर सीमित हैं। यह दुविधा व्यापक रूप से देखी जा रही है। कुछ श्रमिक नेपाल से वापस विदेश जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो खाड़ी देशों में पहले से काम कर रहे कई लोग बढ़ती चिंता के बीच घर लौटने के विकल्प तलाश रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट जज बोले-ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही, इसलिए लोग जेलों में सड़ रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही।

'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं। बार एंड बेंच की एक खबर के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने सरकार और न्यायपालिका के संबंधों, PMLA, UAPA कानूनों के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों

पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की।

UAPA और PMLA एक्ट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहाः अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- PMLA प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है। वहीं, UAPA को लेकर कहा कि जब दोषसिद्धि की दर लगभग 5% से भी कम है, तो आरोपी को सालों तक जेल में क्यों रखा जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े कुछ विवादों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट को SIT बनानी पड़ी हैं, जिससे सिर्फ समय की बर्बादी हुई है।

विकसित भारत राजनीतिक नारा, अदालतें इससे अलग रहेंः जस्टिस भुइयां ने न्यायपालिका को विकसित भारत जैसे राजनीतिक नारों से बहुत ज्यादा जोड़ने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा- 'विकसित भारत' का विचार एक राजनीतिक लक्ष्य है और अदालतों को अपने कामकाज में स्वतंत्र रहना चाहिए। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो बहस और असहमति के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। असहमति को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

भारतीय रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर: शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज- पश्चिम एशिया संकट,वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल और भारत की आर्थिक परीक्षा -समग्र अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» आर्थिक संकेतों के पीछे छिपी वैश्विक कहानी- आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य का नतीजा -समाधान आपसी समझ ज़रूरी

» पश्चिम एशिया संकट: वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन -भारतीय रुपया, शेयर बाजार में भारी गिरावट, यह केवल आर्थिक गणित नहीं है,बल्कि एक श्रृंखलाबद्ध प्रभाव है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 23 मार्च 2026 भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण और चिंताजनक दिन के रूप में दर्ज हो गया। इस दिन भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.05 के ऐतिहासिक निचले स्तर के करीब पहुंच गया,जबकि शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।सेंसेक्स 1800 अंकों से अधिक टूटकर 72,600 के आसपास बंद हुआ और निफ्टी 600 अंकों की गिरावट के साथ 22,500 के नीचे आ गया। इस गिरावट से निवेशकों के लगभग 14-15 लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि आर्थिक मनोविज्ञान, वैश्विक राजनीति और वित्तीय अस्थिरता का प्रतिबिंब है।यह घटना केवल भारत तक सीमित नहीं है,बल्कि इसकेपीछे पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष की स्थिति,कच्चे तेल कीकीमतों में उछाल और वैश्विक पूंजी प्रवाह में बदलाव जैसे कई कारक शामिल हैं। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें आर्थिक,राजनीतिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य को एक साथ जोड़कर देखना होगा, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ के रूप में करेंगे।23 मार्च 2026 को संसद में प्रधानमंत्री ने इस पूरे संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक वैश्विक समस्या बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक संकट का रूप ले सकता है।उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत के आर्थिक मूल सिद्धांत मजबूत हैं और देश इस संकट से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि भारत के पास 5.3 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है, जो आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में सुरक्षा कवच का काम करेगा।इसके अलावा,कोयले का पर्याप्त स्टॉक और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत भी भारत की मजबूती को दर्शाते हैं।उन्होंने कूटनीति और बातचीत के माध्यम से संकट के समाधान पर जोर दिया और खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा को सर्वोच्च सटीक प्राथमिकता बताया। साथियों बात अगर हम रुपये में गिरावटः कारण प्रक्रिया और प्रभाव को समझने की करें तो,भारतीय रुपये का 94.05 प्रति डॉलर तक गिरना एक सामान्य उतार-चढ़ाव नहीं बल्कि एक संरचनात्मक दबाव का संकेत है। रुपया क्यों गिरता है, इसे सरल शब्दों में समझें तो यह मांग और आपूर्ति का खेल है।जब भारत को अधिक डॉलर की जरूरत होती है,जैसे तेल खरीदने के लिए, तो वह रुपये बेचकर डॉलर खरीदता है। यदि डॉलर की मांग बढ़ जाती है और आपूर्ति कम होती है, तो डॉलर महंगा हो जाता है और रुपया कमजोर हो जाता है।वर्तमान परिदृश्य में तीन प्रमुख कारण सामने आते हैं:पहला, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, जिससे डॉलर की मांग बढ़ी। दूसरा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से भारी निकासी, जिससे डॉलर की मांग और बढ़ी।तीसरा, वैश्विक अनिश्चितता के कारण निवेशकों का सेफ हेवन यानी सुरक्षित निवेश विकल्पों जैसे अमेरिकी डॉलर की ओर झुकाव।रुपये की गिरावट का अर्थ यह नहीं है कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह कमजोर है, बल्कि यह वैश्विक परिस्थितियों का प्रतिबिंब भी है। फिर भी इसके प्रभाव गंभीर होते हैं आयात महंगा, विदेशी शिक्षा और यात्रा महंगी, कंपनियों के लिए कर्ज चुकाना कठिन और महंगाई पर अत्यंत दबाव पड़ेगा। साथियों बात अगर हम शेयर बाजार में गिरावटः निवेशकों का भरोसा डगमगाया इसको समझने की करें तो, रुपये की गिरावट के साथ-साथ शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इस बात का संकेत है कि निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी में आई गिरावट केवल तकनीकी कारणों से नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक कारणों से भी जुड़ी होती है।जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों की ओर जाते हैं। यही कारण है कि विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर पैसा निकाला।इस बिकवाली का सबसे अधिक असर बैंकिंग,टेक्नोलॉजी और मिडकैप शेयरों पर पड़ा। बैंकिंग सेक्टर इसलिए प्रभावित हुआ क्योंकि बढ़ती ब्याज दरों और आर्थिक अनिश्चितता से ऋण जोखिम बढ़ता है। टेक सेक्टर इसलिए प्रभावित हुआ क्योंकि यह वैश्विक मांग पर निर्भर करता है। साथियों बात अगर हम पश्चिम एशिया संकटः वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन पर असर इसको समझने की करें तो, पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) लंबे समय से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र रहा है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य या राजनीतिक तनाव सीधे तेल और गैस की कीमतों को प्रभावित करता है। वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने इस क्षेत्र को एक बार फिर अस्थिरता के केंद्र में ला दिया है।तेल बाजार में अनिश्चितता के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं।भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, के लिए यह स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। जब तेल महंग होता है,तो इसका सीधा असर देश के आयात बिल,चालू खाता घाटा और मुद्रास्फीति पर पड़ता है।यह केवल आर्थिक गणित नहीं है, बल्कि एक श्रृंखलाबद्ध प्रभाव है।महंगा तेल, महंगा परिवहन, महंगी वस्तुएं, बढ़ती महंगाई घटती क्रय शक्ति बहुत अधिक धीमी आर्थिक वृद्धि। साथियों बात अगर हम महंगाई और आम आदमी पर असरः अदृश्य संकट को समझने की करें तो,रुपये की गिरावट और तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे बड़ा असर आम आदमी पर पड़ता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं, जिससे परिवहन महंगा होता है और अंततः हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है।यह महंगाई केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं बल्कि सामाजिक प्रभाव भी है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति घटती है, बचत कम होती है और जीवन स्तर प्रभावित होता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक बाजारों की प्रतिक्रियाः एशिया से अमेरिका तक असर को समझने की करें तो यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। जापान, दक्षिण कोरिया सहित एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका कारण यह है कि वैश्विक बाजार आपस में जुड़े हुए हैं।जब अमेरिका और ईरान जैसे बड़े खिलाड़ी आमने-सामने होते हैं, तो निवेशकों में डर फैलता है। यह डर केवल युद्ध का नहीं बल्कि उसके आर्थिक प्रभाव का होता है,जैसे तेल की कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और वैश्विक व्यापार में गिरावट।अमेरिकी डॉलर की मजबूती भी इसी डर का परिणाम है। जब वैश्विक संकट होता है, तो डॉलर को सुरक्षित निवेश माना जाता है और उसकी मांग बढ़ जाती है। इससे अन्य देशों की मुद्राएं कमजोर हो जाती हैं, जिनमें भारतीय रुपया भी शामिल है। साथियों बात अगर हम नेगेटिव नैरेटिव बनाम वास्तविकता धारणा की लड़ाई इसको समझने की करें तो,रुपये के 94.05 तक गिरने के बाद देशभर में एक नकारात्मक नैरेटिव बनने लगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है। रुपये की गिरावट को केवल घरेलू कमजोरी के रूप में देखना गलत होगा। यह वैश्विक कारकों का परिणाम भी है। कई अन्य देशों की मुद्राएं भी इसी तरह दबाव में हैं। अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती उसके दीर्घकालिक संकेतकों जैसे जीडीपी वृद्धि, बुनियादी ढांचा, उत्पादन क्षमता और नीतिगत स्थिरता पर निर्भर करती है, न कि केवल अल्पकालिक विनिमय दर पर। साथियों बात अगर हम रणनीतिक दृष्टिकोणः भारत के लिए आगे का रास्ते को समझने की करें तो इस संकट से निपटने के लिए भारत को बहु-आयामी रणनीतिअपनानी होगी।पहला, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण- तेल पर निर्भरता कम करना।दूसरा,घरेलू उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना ताकि डॉलर की कमाई बढ़े। तीसरा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए स्थिर नीतियां और सुधार।चौथा, डिजिटल और सेवा क्षेत्र को मजबूत बनाना, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की ताकत है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि 23 मार्च 2026 की घटनाएं केवल एक आर्थिक झटका नहीं बल्कि एक चेतावनी हैं कि वैश्विक दुनिया में कोई भी देश अलग- थलग नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत के बाजार, मुद्रा और आम आदमी तक पहुंच गया है।फिर भी, हर संकट अपने साथ अवसर भी लेकर आता है। यदि भारत इस समय को सही रणनीति, मजबूत नीतियों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ संभालता है, तो यह संकट एक नए आर्थिक परिवर्तन का आधार बन सकता है,इसलिए यह केवल रुपये या शेयर बाजार की कहानी नहीं है, बल्कि यह वैश्विक परस्पर निर्भरता, आर्थिक संतुलन और रणनीतिक सोच की परीक्षा है, जिसमें भारत को न केवल टिकना है बल्कि आगे बढ़ना भी है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

परमाणु छाया में सुलगता पश्चिम एशिया- ईरान- इजरायल - अमेरिका टकराव

लेखक--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

रेडिएशन का खतरा- कैंसर,जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति -समग्र विश्लेषण परमाणु ठिकानों पर हमले- रणनीतिक दबाव या खतरनाक जुआ? -युद्ध का बदलता स्वरूप और बढ़ती आशंकाएँ परमाणु ठिकानों पर हमले, रेडिएशन का खतरा, ऊर्जा युद्ध और महाशक्तियों की भागीदारी, ये सभी संकेत एक बड़े संकट की ओर इशारा करते हैं, जिसे संवाद से हल करना जरूरी वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब पारंपरिक सैन्य टकराव की सीमाओं को पार कर एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है,जहां परमाणु ठिकाने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध का केंद्र बनते जा रहे हैं।ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है,बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़े परमाणु संकट की आशंका भी उत्पन्न कर दी है। हालिया घटनाओं में जिस तरह परमाणु संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को निशाना बनाया जा रहा है, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनियाँ एक और परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि युद्ध के 23वें दिन तक आते- आते संघर्ष की प्रकृति में स्पष्ट बदलाव दिखाई देने लगा है।पहले जहां सैन्य ठिकानों,सीमावर्ती क्षेत्रों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा था, वहीं अब परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले शुरू हो गए हैं। इजरायल द्वारा ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर की गई एयरस्ट्राइक इस दिशा में एक निर्णायक कदम थी। नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का केंद्र है, जहां यूरेनियम संवर्धनका कार्य होता है।इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के डिमोना परमाणु केंद्र के आसपास मिसाइल हमले किए। यह केंद्र इजरायल की परमाणु क्षमता का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। इस प्रकार दोनों पक्षों द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाना केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक खतरनाक जुआ है, जिसके परिणाम दूरगामी और विनाशकारी हो सकते हैं।रेडिएशन का बढ़ता खतराः मानवता के लिए अदृश्य दुश्मन है,परमाणु संयंत्रों पर हमले का सबसे बड़ा खतरा केवल विस्फोट नहीं,बल्कि रेडिएशन लीक है।परमाणु संयंत्रों में यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे अत्यधिक रेडियोधर्मी तत्व मौजूद होते हैं। यदि किसी हमले में इनका रिसाव होता है, तो उसका प्रभाव केवल तत्काल क्षेत्र तकसीमित नहीं रहता, बल्कि हवा, पानी और मिट्टी के माध्यम से हजारों किलोमीटर तक फैल सकता है।रेडिएशन के प्रभाव बेहद गंभीर होते हैं,कैंसर, जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति। चेरनोबिल दुर्घटना और फुकुशिमा परमाणु दुर्घटना इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जिनके प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं। यदि पश्चिम एशिया में इसी प्रकार की कोई घटना घटती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाएगा। साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानें (आईएईए) की भूमिका और ताजा स्थिति को समझने की करें तो इन बढ़ती आशंकाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। एजेंसी ने हाल ही में डिमोना क्षेत्र में हुए हमले के बाद स्पष्ट किया कि नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी प्रकार की क्षति के संकेत नहीं मिले हैं और विकिरण स्तर सामान्य हैं। यह राहत की खबर जरूर है, लेकिन यह स्थिति अस्थायी भी हो सकती है, क्योंकि युद्ध अभी जारी है और किसी भी समय हालात बदल सकते हैं।आईएईए लगातार क्षेत्रीय देशों के साथ संपर्क में है और रेडिएशन स्तर की निगरानी कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल निगरानी पर्याप्त है, या वैश्विक समुदाय को इस संकट को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे? साथियों बात अगर हम डिमोना और नतांजः क्यों हैं इतने महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो डिमोना और नतांज केवल दो परमाणु केंद्र नहीं हैं,बल्कि ये दोनों देशों की सामरिक शक्ति के प्रतीक हैं। डिमोना, जिसे दुनिया के सबसे सुरक्षित परमाणु स्थलों में गिना जाता है, इजरायल की कथित परमाणु हथियार क्षमता का आधार है। यहां अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, जैसे आयरन डोम और एरो मिसाइल सिस्टम तैनात हैं। वहीं नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हृदय है, जहां सैकड़ों सेंट्रीफ्यूज यूरेनियम को समृद्ध करने का कार्य करते हैं।

तेल के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

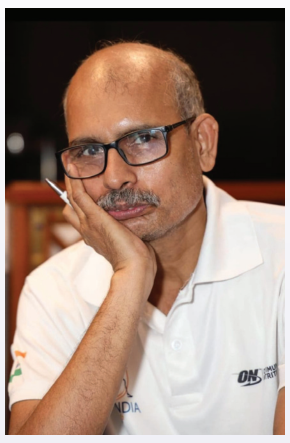

लेखक : - बिनोद कुमार सिंह

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है।समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं।इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है।लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं।इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं।यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते।इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है।वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं।इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है।फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है।इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है।<भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं।आज बैंकिंग,शिक्षा, स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है।यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा।आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है।इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है।एमजॉन ' माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है।यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं तक पहुंचेगा।आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं।जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है।होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से 'डिजिटल चोक-पॉइंट' बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है।वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है।संक्षेप का सार यह है कि "ईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगा" जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है।आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो।आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - ईश्राइल - अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

ईरान मुद्दे पर चुप्पी: क्या कहती है भारतीय मुस्लिम नेतृत्व की खामोशी?

लोकतंत्र की शान

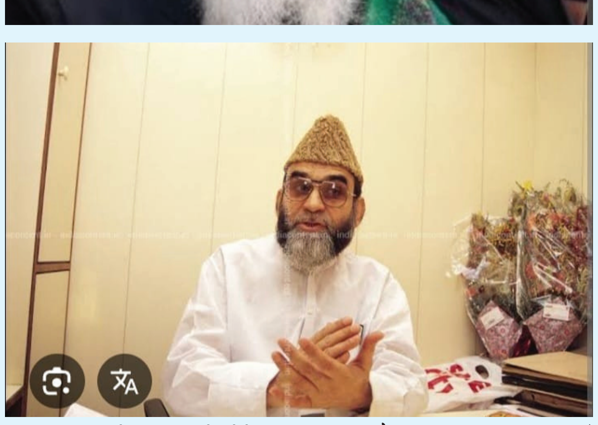

मध्य-पूर्व आज बारूद के ढेर पर खड़ा है। ईरान के खिलाफ इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई की खबरें सिर्फ भू-राजनीति नहीं, बल्कि इंसानियत की परीक्षा हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चुभने वाली चीज़ है—भारत के मुस्लिम नेतृत्व की खामोशी। यह खामोशी साधारण नहीं है, यह सवालों से भरी हुई खामोशी है। जब बोलना आसान था, तब सब बोले... अब क्यों नहीं? जब देश के अंदर छोटे-छोटे मुद्दे उठते हैं, तब यही चेहरे सबसे आगे दिखाई देते हैं—अब्दुल्ला बुखारी, मुफ़्ती मुकर्रम अहमद, महमूद मदनी और अरशद मदनी। हर मसले पर बयान, हर मंच पर मौजूदगी—लेकिन जब मामला अंतरराष्ट्रीय अन्याय और एक मुस्लिम देश पर मंडराते खतरे का हो, तब यही आवाजें खामोश क्यों हो जाती हैं? क्या यह वही नेतृत्व है जो खुद को "कौम की आवाज" कहता है? अगर हाँ, तो आज यह आवाज कहाँ दब गई? डर, सियासत या सुविधाजनक चुप्पी? सच यह है कि यह खामोशी यूँ ही नहीं है। या तो यह डर की खामोशी है—कहीं कुछ कह देने से सत्ता नाराज़ न हो जाए। या यह सियासत की खामोशी है—जहाँ हर शब्द को नाप-तोलकर बोला जाता है। या फिर यह सबसे खतरनाक—सुविधाजनक खामोशी है, जिसमें न बोलने में ही फायदा दिखता है। लेकिन सवाल सीधा है—अगर रहनुमा ही जोखिम से बचने लगें, तो फिर रहनुमाई का मतलब क्या रह जाता है? "उम्मत" सिर्फ नारा है या जिम्मेदारी भी? मंचों से "उम्मत" की बातें करना आसान है।

भीड़ के सामने एकता के नारे लगाना आसान है। लेकिन जब ईरान जैसा देश दबाव में हो, तब क्या उम्मत की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? अगर शिया-सुन्नी मतभेद इतने बड़े हो गए हैं कि इंसाफ की आवाज भी दब जाए—तो फिर यह एकता किस काम की? अगर एक मुस्लिम देश के मसले पर भी हम बंट जाएं, तो फिर "उम्मत" सिर्फ एक शब्द बनकर रह जाता है—जिसका जमीन से कोई वास्ता नहीं। खामोशीः तटस्थता नहीं, एक संकेत है कई लोग कहते हैं—"चुप रहना ही बेहतर है।" लेकिन सच यह है कि हर खामोशी तटस्थ नहीं होती। कभी-कभी खामोशी यह बताती है कि आप सच के साथ खड़े होने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। कभी यह दिखाती है कि आपकी प्राथमिकताएँ इंसाफ नहीं, बल्कि अपनी स्थिति और सुविधा हैं।

इतिहास उन लोगों को याद नहीं रखता जो चुप रहे— इतिहास उन लोगों को याद रखता है जिन्होंने मुश्किल वक्त में सच बोलने की हिम्मत दिखाई। कौम को रहनुमा चाहिए या दर्शक?

आज सबसे बड़ा सवाल यही है— क्या भारतीय मुस्लिम समाज को ऐसे नेता चाहिए जो सिर्फ सुरक्षित मुद्दों पर बोलें? या ऐसे रहनुमा चाहिए जो हर हाल में सच और इंसाफ के साथ खड़े हों? नेतृत्व सिर्फ पद का नाम नहीं है, यह जिम्मेदारी है। और जिम्मेदारी का मतलब है—जब पूरी दुनिया चुप हो, तब भी आप सच कहने का साहस रखें।

अंतिम सवालः अगर आज भी यह खामोशी जारी रहती है, तो नुकसान सिर्फ एक बयान का नहीं होगा—

नुकसान उस भरोसे का होगा, जो लोग इन चेहरों पर करते हैं। क्योंकि अंत में लोग यह पूछेंगे—जब वक्त आया था बोलने का, तब आप कहाँ थे? और उस सवाल का कोई आसान जवाब नहीं होगा।

आईपीएल 2026

रियान पराग पर कप्तानी का बड़ा दांव या गलती? पूर्व भारतीय चयनकर्ता का तीखा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले कप्तान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। टीम ने इस सीजन के लिए रियान पराग को कप्तान बनाया है, लेकिन इस फैसले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीकांत ने सवाल उठाए हैं।राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में अपना पहला मुकाबला सीएसकेके खिलाफ 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है।

'जायसवाल मंत्री ही रह सकते हैं' – श्रीकांत

क्रिस श्रीकांत ने रियान पराग को कप्तान बनाए जाने पर तंज कसते हुए कहा, 'सबको पता है कि वह कप्तान कैसे बने। वहां उन्हें राजा की तरह ट्रीट किया जाता है, इसलिए यशस्वी जायसवाल केवल मंत्री ही रह सकते हैं। पराग का पिछला सीजन अच्छा नहीं था, लेकिन उससे पहले वाले सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।' उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है।

आईपीएल 2025 में ऐसा प्रदर्शन– आईपीएल 2025 में रियान पराग ने 8 मैचों में कप्तानी की थी, जब संजू सेमसनउपलब्ध नहीं थे। उस दौरान टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और टीम सिर्फ 2 मैच जीत सकी। राजस्थान की टीम पूरे सीजन में 14 मैचों में सिर्फ 4 जीत के साथ अंक तालिका में 9वें स्थान पर रही।

पराग का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा– हालांकि टीम का प्रदर्शन खराब रहा, लेकिन रियान पराग का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में 393 रन बनाए और वह राजस्थान के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उनका औसत लगभग 33 और स्ट्राइक रेट 166 से ज्यादा रहा।

हॉकी इंडिया ने सलाना अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन किए जारी

सलीमा-हार्दिक प्लेयर ऑफ द ईयर की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने सोमवार को सालाना अवॉर्ड्स 2025 के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। यह इवेंट 27 मार्च को होगा। खिलाड़ियों को ये अवॉर्ड्स 2025 सीजन के दौरान भारतीय हॉकी में शानदार प्रदर्शन और योगदान के लिए दिए जाएंगे। इन खास सम्मानों में से एक हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर है, जो पूरे साल दमदार खेल दिखाने वाले सबसे अच्छे पुरुष और महिला खिलाड़ियों को दिया जाता है। इस समारोह में हॉकी इंडिया जुगराज सिंह अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष – अंडर–21) और हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला – अंडर–21) के साथ उभरते हुए टैलेंट को भी सम्मानित किया जाएगा। अलग–अलग पोजीशन पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को खास अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवॉर्ड हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया परगट सिंह अवॉर्ड फॉर डिफेंडर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर, और हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै अवॉर्ड फॉर फॉरवर्ड ऑफ द ईयर होंगे। इन आठ कैटेगरी से कुल 32 प्रत्याशियों को फाइनल शॉर्टलिस्ट के लिए चुना गया है। इस सेरेमनी में और भी अवॉर्ड दिए जाएंगे, जिसमें हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट और हॉकी इंडिया जमन लाल शर्मा अवॉर्ड फॉर इनवैल्यूएबल कंट्रीब्यूशन शामिल हैं। अधिकारियों को हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर अंपायर/अंपायर मैनेजर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर टेक्निकल ऑफिशियल ऑफ द ईयर, और बेस्ट मेंबर यूनिट अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। एक सेरेमनी में भारतीय मेन्स हॉकी टीम को सम्मानित किया जाएगा।

आईपीएल की ऐतिहासिक छलांग

1000 करोड़ के पार पहुंची टीमों की स्पॉन्सरशिप; जानें इसका मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले सामने आई एक रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे आईपीएल की स्पॉन्सरशिप कमाई ने 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर दिया है. यह आंकड़ा पार होना लीग के लिए बड़ी उपलब्धि है. इससे एक बार फिर इस बात का पुख्ता सबूत मिलता है कि आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी और महंगी क्रिकेट लीग है. पैसों के मामले में कोई भी दूसरी क्रिकेट लीग आईपीएल के आसपास भी नहीं दिखती है.

स्पॉन्सरशिप की बदलती कैटेगरी

एक वक्त पर फैंटेसी गेमिंग कंपनियां आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ स्पॉन्सरशिप में अपना दबदबा कायम किए हुए थीं. लेकिन नियमों में हुए बदलाव के कारण इन कंपनियों को पीछे हटना पड़ा, जिससे बाकी तरह की कंपनियों को आगे आने का मौका मिला. इस तरह बदलती कैटेगरी ने स्पॉन्सरशिप में अहम किरदार अदा किया है.

गौर करने वाली बात यह है कि 1000 करोड़ रुपये की स्पॉन्सरशिप सभी टीमों में बराबर नहीं बंटती है. स्पॉन्सरशिप में कुछ टीमें ज्यादा आगे नजर आती हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स की तिकड़ी टॉप पर है.

तीनों ही टीमें स्पॉन्सरशिप से तकरीबन 150 करोड़ रुपये बनाती हैं, जिससे तीनों टीमें टॉप पर नजर आती हैं. बाकी टीमों का आकंड़ा इससे नीचे ही नजर आता है. लिस्ट में गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स दूसरे पायदान पर नजर आती हैं.

गौरतलब है कि पिछले सीजन यानी 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल का खिताब जीता था. यह 18 सालों के इतिहास में आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी थी, जिसके बाद टीम की ब्रांड वैल्यू में बढ़ोत्तरी देखने को मिली थी.

फ्रेंचाइजी के लिए स्पॉन्सरशिप के फायदे

किसी भी फ्रेंचाइजी के लिए स्पॉन्सरशिप बहुत फायदेमंद होती है. इससे टीमों को सिर्फ टिकट बिक्री पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है. टीमों को स्थिरता मिलती है, जिससे लीग में किसी भी तरह की कोई दिक्कत आने की समस्या नहीं पैदा होती है.

जितेश शर्मा व रजत ने लगाई तूफानी फिफ्टी

आईपीएल 2026 से पहले कोहली ने भी खेली दमदार पारी

बेंगलुरु, एजेंसी। विकेटकीपर–बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 37 गेंदों में 81 रन, कप्तान रजत पाटीदार ने 25 गेंदों में तूफानी 74 रन बनाए, जबकि सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पहले वार्म–अप मैच में 12 गेंदों में 29 रनों की छोटी लेकिन तेज पारी खेली। यह मैच 28 मार्च से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुरू होने वाले उनके टाइटल डिफेंस से पहले खेला गया था। बेंगलुरु में अपने घरेलू मैदान पर 'मेन इन ऑरेंज' के खिलाफ खिताब बचाने का अभियान शुरू करने से पहले आरसीबीके बल्लेबाज काफी अच्छी लय में

दिखे, भले ही उन्होंने छोटी–छोटी पारियां खेलीं। जितेश, रजत, देवदत्त पडिक्कल और क्रुणाल पांड्या उन बल्लेबाजों में शामिल थे जिन्होंने फिफ्टी जड़ी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेंकटेश अय्यर की कप्तानी वाली टीम ने 234/7 का स्कोर खड़ा किया जिसमें जितेश (37 गेंदों में 81), टिम डेविड (14 गेंदों में 36), अय्यर (16 गेंदों में 30) और विराट (12 गेंदों में 29) ने स्कोरकार्ड पर अपना दबदबा बनाया। अपने 20 ओवरों में क्रुणाल की कप्तानी वाली दूसरी टीम ने 247 रन बनाए जिसमें रजत (25 गेंदों में 74), पडिक्कल (33 गेंदों में 63) और क्रुणाल (33 गेंदों में 58) ने शानदार प्रदर्शन किया। कोहली की बल्लेबाजी पर बात करते हुए क्रुणाल ने कहा, 'विराट ने आज जो कुछ शॉट खेले, वे कमाल के थे। वह अच्छी लय में दिख रहे हैं, जो हमारे लिए एक बहुत अच्छा संकेत है। इसलिए, हम उम्मीद कर रहे हैं कि सब अच्छा होगा।' मैच खत्म होने के बाद ऋसक्के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने जितेश और रजत के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की और बताया कि अभिनंदन सिंह, रसिक डार सलाम और विक्की ओस्तवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने गेंद के साथ भी अच्छा प्रदर्शन किया। एंडी फ्लावर ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज शाम के कुछ खास पल वे थे जब हमने जितेश जैसे खिलाड़ियों को देखा, जिन्होंने 35 गेंदों में करीब 80 रन बनाए। रजत भी वहां थे, जो शानदार शॉट्स लगा रहे थे, जैसा कि हम जानते हैं कि वे लगा सकते हैं। कुछ युवा खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब

फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो

(जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं। काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया। पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, 'यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है।

एमएस धोनी से 60 साल की उम्र तक खेलने की अपील

● एक्टर के साथ बातचीत हुई वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह उनका मजाकिया लेकिन दिलचस्प बयान है जिसने फैंस के दिलों में नई उम्मीद जगा दी है। आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में हुए एक फैन इवेंट के दौरान धोनी ने 60 साल की उम्र तक खेलने की बात कहकर माहौल को उत्साह से भर दिया। 44 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस और लोकप्रियता कायम है, और यही कारण है कि फैंस उन्हें लंबे समय तक मैदान पर देखना चाहते हैं।

चेपॉक में वायरल हुआ मजेदार पल– यह खास पल तब सामने आया जब मंच पर धोनी से अपील की कि वह आने वाले कई सालों तक आईपीएल खेलते रहें। इस पर धोनी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'यह मुश्किल होगा, लेकिन मैं कोशिश कर सकता हूं।' बस फिर क्या था, चेपॉक का माहौल तालियों और नारों से गूंज उठा। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया।

बदलती भूमिका, वही असर

हाल के सीज़नों में धोनी की भूमिका में बदलाव देखा गया है। गायकवाड को कप्तानी सौंपने के बाद, धोनी अब मुख्य रूप से 'फिनिशर' की भूमिका निभाते हैं। वह अक्सर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी के लिए आते हैं और तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी संभालते हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू होने के बाद उनकी मैदान पर मौजूदगी और भी रणनीतिक हो गई है। धोनी के रिटायरमेंट को लेकर हर साल चर्चाएं तेज हो जाती हैं। हालांकि, ष्टस्द्म मैनेजमेंट की ओर से साफ किया गया है कि वह आईपीएल 2026 के पूरे सीज़न के लिए उपलब्ध रहेंगे। लेकिन यह भी तय है कि उनकी भूमिका अब टीम की जरूरत के हिसाब से लचीली होगी। ऐसे में यह सीज़न उनके करियर का आखिरी पड़ाव भी साबित हो सकता है—या फिर एक नई शुरुआत।

व्यापार

वेदांता ने तय किया डिविडेंड का रिकॉर्ड डेट, फिर भी 4 प्रतिशत लुढ़का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को तेज गिरावट देखने को मिली। एनएसई पर कंपनी का स्टॉक करीब 4 प्रतिशत से अधिक तक टूटकर 637.05 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। यह गिरावट उस समय आई जब कंपनी की बोर्ड बैठक में तीसरे अंतरिम डिविडेंड पर फैसला होना था। कंपनी ने इस प्रस्तावित डिविडेंड के लिए 27 मार्च को रिकॉर्ड डेट तय की है, जिसके चलते निवेशकों में उत्सुकता के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है। वेदांता अपने हाई डिविडेंड के लिए जानी जाती है और चालू वित्त वर्ष में भी कंपनी ने

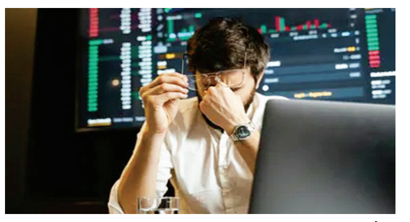

शेयरधारकों को अच्छा रिटर्न दिया है। एफवाय26 में अब तक कंपनी कुल 23 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दे चुकी है। इसमें जून 2025 में घोषित 7 रुपये प्रति शेयर का पहला अंतरिम लाभांश शामिल था, जबकि अगस्त में कंपनी ने 16 रुपये प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड दिया था। इन दोनों भुगतान के जरिए कंपनी हजारों करोड़ रुपये निवेशकों को लौटा चुकी है, जिससे यह डिविडेंड निवेशकों के बीच पसंदीदा स्टॉक बना हुआ है। डिविडेंड की घोषणा से पहले अक्सर निवेशक सतर्क हो जाते हैं और मुनाफावसूली देखने को मिलती है। इसके अलावा, बाजार में चल रही अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक तनाव जैसे कारकों ने भी मेटल सेक्टर के शेयरों पर दबाव बनाया है। वेदांता इस समय अपने कारोबार को पांच अलग-अलग कंपनियों में डिमर्जर की प्रक्रिया से गुजर रही है।

युद्ध का पेट्रोनेट एलएनजी के शेयरों पर पड़ा है बुरा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को शेयर बीएसई में 248.70 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयर 235.50 रुपये के इंट्रा–डे लो लेवल पर आ गए। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सोमवार को दिन पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के शेयरों के लिए अच्छा नहीं रहा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। इस कंपनी के लिए ईरान–अमेरिका युद्ध कहर बनकर उभरा है। युद्ध की वजह से लगातार तीसरे कारोबारी दिन को

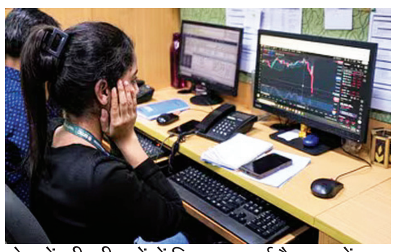

शेयरों की कीमतों में गिरावट आई है। बता दें, सीएनबीसी टीवी81 की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के शेयरों के लिए पिछले दो दशक में यह सबसे बुरा महीना साबित हुआ है। आज सोमवार को शेयर बीएसई में 248.70 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयर 235.50 रुपये के इंट्रा–डे लो लेवल पर आ गए। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, गुरुवार को कंपनी के शेयरों में 7 प्रतिशत लुढ़क चुका है। पिछले दिनों कतर पर ईरान ने हमाला कर दिया था। जिसके बाद ईरान ने इसे अप्रत्याशित घटना करार दिया था। इस अटैक की वजह से 17 प्रतिशत एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। जिसका असर पर भी पड़ा है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच डीसीएक्स सिस्टम्स के स्टॉक को खरीदने की होड़

12 प्रतिशत चढ़ा भाव, क्या है उछाल की वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच

डीसीएक्स सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की होड़ सी निवेशकों में मची है। जिसकी वजह से दिन में स्टॉक का भाव 12 प्रतिशत चढ़ गया है। शेयरों में इस उछाल के पीछे की वजह 563 करोड़ रुपये का काम है। शेयर आज बढ़त के साथ 176.10 रुपये पर खुला था।

इस वर्क ऑर्डर के अनुसार कंपनी को केबल की सप्लाई और हैरनेस एसेंबली का काम है। यह घरेलू और इंटरनेशनल क्लाइंट्स से मिला है। सरकारी कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की तरफ से इसी महीने की शुरुआत में 68.05 करोड़ रुपये का काम मिला था। बता दें, कंपनी ने बताया है कि मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। रेवन्यू अक्टूबर से दिसंबर के दौरान 307.05 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 6.46 प्रतिशत नीचे आया है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में भी सालाना आधार पर 25.19 प्रतिशत की गिरावट आई है। तीसरी तिमाही में यह 10.01 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में का नेट प्रॉफिट 13.38 करोड़ रुपये रहा था।

अनपढ़ कहकर रिश्तेदार उड़ाते थे मखौल

नई दिल्ली, एजेंसी। पोन्नारासी तमिलनाडु के डिंडीगुल की रहने वाली हैं। उन्होंने सहजन (मोरिंगा) की खेती से अपनी और अपने परिवार की किस्मत बदल दी है। उन्हें 'मोरिंगा क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है। वह सहजन का इस्तेमाल करके 36 अलग-अलग तरह के उत्पाद बनाती और बेचती हैं। इनमें हेल्थ फूड और पर्सनल केयर की चीजें शामिल हैं। अपने उत्पादों की बिक्री वह मुरुंगई अरसी ब्रांड के तहत करती हैं। इस बिजनेस से पोन्नारासी की सालाना कमाई लगभग 12 लाख रुपये है। उनके ग्राहक भारत के साथ विदेश में भी हैं। बिना किसी बिचौलिए के वह सीधे फेसबुक और वॉट्सऐप के जरिए ग्राहकों को अपने उत्पाद बेचती हैं। इस सफलता ने उन रिश्तेदारों के मुंह पर ताला जड़ दिया है जो कभी उनका अनपढ़ कहकर मखौल उड़ाते थे। उन्होंने 10वीं करने से पहले पढ़ाई छोड़ दी थी।

16अब कहते हैं रानी, लाखों की कमाई

ऐसे आया आइडिया

सहजन की खेती और प्रोसेसिंग का आइडिया पोन्नारासी के लिए अचानक आसमान से नहीं टपका था। वह एक ऐसे परिवार में पली–बढ़ी थीं, जिसकी जड़ें कृषि में गहरी थीं। वह खेतों और खेती से जुड़ी कड़ी मेहनत से काफी अच्छी तरह परिचित थीं। हालांकि, यह सफर पूरी तरह से आसान नहीं था। अपने परिवार की 10 एकड़ जमीन पर सहजन की खेती शुरू करने के बाद उन्होंने शुरू में इसके पत्ते, बीज और जड़ें बेचने पर फोकस किया।

ये हैं पोन्नारासी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं

पोन्नारासी तमिलनाडु के डिंडीगुल की रहने वाली महिला किसान हैं। उन्होंने सहजन (मोरिंगा) की खेती की ताकत को पहचानकर अपनी और अपने परिवार की किस्मत बदल दी। जो काम एक छोटे से खेती के प्रयास के रूप में शुरू हुआ था, वह अब सफल व्यवसाय बन चुका है। इससे सालाना 12 लाख रुपये से अधिक की कमाई होती है। पोन्नारासी के उत्पाद दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं। 10वीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ने वाली एक छात्रा से लेकर 'मोरिंग क्वीन' के रूप में सम्मानित होने तक पोन्नारासी की कहानी प्रेरणा देने वाली है। यह सब एक साधारण से विचार और थोड़ी सी दृढ़ता के साथ शुरू हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)